

47 वीं वार्षिक रिपोर्ट 2014–15

**सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी
(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग)
(रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)
गिण्डी, चेन्नई – 600032**

अध्यक्ष— शासी परिषद
श्री इंद्रजीत पाल, भा.प्र.से.
सचिव भारत सरकार
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग
(01.04.2014 से 31.08.2014 तक)

श्री सुरजीत के. चौधरी, भा.प्र.से.
सचिव भारत सरकार
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग
(अक्टूबर–2014 से अब तक)

सदस्य सचिव

प्रो.(डॉ.) एस. के. नायक
महानिदेशक

अनुक्रमाणिका

- I. शासी परिषद सदस्य
 1. प्रस्तावना
 2. मुख्य आकर्षण
 3. शैक्षणिक कार्यक्रम
 4. तकनीकी सहयोग सेवाएँ
 5. अनुसन्धान एवं विकास
 6. निगमित सामाजिक दायित्व
 7. सिपेट केंद्र (परियोजना चरण)
 8. प्रशासन
 9. कल्याणकारी प्रयास
 10. सिपेट के सभी केन्द्रों में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन
 11. प्रमुख व्यक्तियों प्रतिनिधिमंडलों के दौरे एवं अन्य समस्याएँ
 12. सिपेट के प्रकाशन
 13. सेमीनार, संगोष्ठियां, प्रदर्शनीयाँ, सम्मलेन
 14. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
 15. 31 मार्च, 2015 तक का तुलनात्मक पत्रक
 16. 31 मार्च, 2015 को समाप्त हुए वर्ष की आय एवं व्यय

शासी परिषद

अध्यक्ष

श्री सुरजीत के. चौधरी, भा.प्र.से.

सचिव भारत सरकार
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग ,
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110 115

सदस्य

<p>श्री राजीव यादव, भा.प्र.से. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110115</p>	<p>सभाध्यक्ष भारतीय प्लास्टिक संस्थान (आईपीआई) 30, सर्वोदय इंड. एस्टेट, पहली मंजिल ऑफ : महाकालह केब्स रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुम्बई – 400093</p>
<p>श्री अविनाश जोशी , भा.प्र.से संयुक्त सचिव (पी.सी.) रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110115</p>	<p>डॉ. माथुर जी.एन, अतिथि प्राध्यापक रसायन अभियांत्रिकी विभाग, आई आई टी, कानपूर 117 / एच – 11, एन ब्लॉक, के डी ए कालोनी काकादेव, कानपूर – 208025</p>
<p>विशेष सचिव एवं विकास आयुक्त सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) 'ए' विंग, 7 वीं मंजिल, निर्माण भवन, नई दिल्ली – 110108</p>	<p>प्रो. (डॉ.) एस. एन. मैती प्रोफेसर एवं हेड पॉलीमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र भारतीय तकनीकी संस्थान (आई आई टी) हौजखास, नयी दिल्ली – 110016</p>
<p>महानिदेशक रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय श्रम शक्ति भवन, नई दिल्ली – 110001</p>	<p>श्री दिलशेर सिंह कल्हा, भा.प्र.से. (सेनि.) हाउस नंबर 15, सेक्टर-4 चंडीगढ़ – 160009</p>
<p>संयुक्त सचिव तकनीकी शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110115</p>	<p>श्री वि वास त्रिपाठी, एफसीए वी. सहाय त्रिपाठी व कंपनी एट-ई, हलवसिया बिल्डिंग, 15 बाराखम्बा रोड कनॉट प्लेस, नई दिल्ली – 110001</p>
<p>अध्यक्ष प्लास्ट इंडिया फाउंडेशन 401, लैण्डमार्क बी, सुरेन रोड, ऑफ अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुम्बई – 400093</p>	

सदस्य – सचिव

प्रो. (डॉ.) एस.के.नायक
महानिदेशक
सिपेट, गिण्डी, चेन्नई – 600032

1. प्रस्तावना

केंद्रीय प्लास्टिक अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग का एक विकसित अंग है। यह शैक्षणिक, प्रौद्योगिकी समर्थन सेवाओं और अनुसंधान एवं विकास (एटीआर) पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ-साथ प्लास्टिक्स के विकास और उससे संबंधित उद्योगों के लिए पूरी तरह समर्पित भारत की एक प्रमुख संस्थान है। सिपेट के केन्द्र देशभर में कुल 23 स्थानों पर स्थापित हैं जिनमें 05 उच्च शिक्षण केंद्र, 11 अन्य शिक्षण केंद्र, 01 व्यावसायिक केंद्र, 03 विशेष इकाईयाँ, 02 अनुसन्धान एवं विकास इकाईयाँ एवं पॉलीमर डेटा सेवाएं (पीडीएस) शामिल हैं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान, सिपेट न केवल पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान के रूप में उभरा है, बल्कि दुनिया भरत में विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोगात्मक शैक्षणिक एवं अनुसंधान कार्यक्रामों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। यह सहयोगात्मक कार्यक्रम विश्व के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों और संस्थानों के साथ चलाया जाता है। सिपेट आईएसओ 9001:2008 क्यूएमएस, आईएसओ/आईईसी-17020 से डिजाइन, विकास व विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्लास्टिक अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र हेतु मान्यता प्राप्त है। यह डिजाइन, टूलिंग प्लास्टिक प्रोसेसिंग व टेस्टिंग के क्षेत्र में प्लास्टिक एवं सम्बंधित उद्योगों को तकनीकी एवं पश्चात्तर सेवाएं प्रदान करता है। सिपेट भी विशेष रूप से युवाओं, स्वरोजगार और विभिन्न व्यावसायिक और व्यावसायिक कौशल विकास परीक्षण कार्यक्रम हालांकि उद्यमी विकास के लिए रोजगार के अवसरों के विकास में निर्णायक भूमिका अदा करता है।

चेन्नई में अपने मुख्यालय के साथ ही सिपेट केन्द्र अहमदाबाद, अमृतसर, औरंगाबाद, भोपाल, भुवनेश्वर, चेन्नै, गुवाहाटी, हैदराबाद, हाजीपुर, हल्दिया, इम्फाल, जयपुर, कोच्चि, लखनऊ, मैसूरु एवं मूरथल में स्थापित हैं। ये सभी 16 केन्द्र अद्यतन सेवाओं से सुसज्जित हैं जैसे कि-डिजाइन, कैड/कैम/काई, टूलींग एवं मोल्ड मैन्युफैक्चरिंग, प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग, टेस्टिंग एवं गुणवत्ता आश्वासन इत्यादि। मशीनरी, उपकरण एवं प्रौद्योगिकी के मामले में बुनियादी सुविधाएं लगातार उन्नत एवं वैशिक प्लास्टिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार आधुनीकृत की जा रही हैं जो कि अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक उद्योग की आवश्यकता है।

सिपेट लगातार देश के पर्यावरण नीति के अनुसार पॉलिमर विज्ञान, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने प्रयासों हेतु देश के उद्योगों के साथ निरंतर संबंध बनाये हुए हैं। प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की दिशा में पर्यावरण के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने में सिपेट निरंतर प्रयासरत हैं जिसके लिए उद्योगों ने अच्छी तरह से सराह्या है।

शैक्षणिक : सिपेट का उद्देश्य विशेष शैक्षणिक (डॉक्ट्रेट, स्नातकोत्तर, स्नातक, स्नातकोत्तर डिप्लोमा) और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम पॉलिमर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी चलाना है ताकि वह पॉलीमर एवं सम्बंधित उद्योगों को मानव संसाधन उपलब्ध करा सके।

इसके अलावा दीर्घकालिक अवधि के पाठ्यक्रमों से सिपेट भी व्यावसायिक/कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, मॉड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम, उद्यमिता विकास कार्यक्रम आदि भी संचालित करता है। ये कार्यक्रम अनेक राज्य एवं केंद्र सरकार की एजेंसियों जैसे एम-डोनर, एनएसएफडीसी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रायोजित किये जाते हैं। प्रतिवर्ष करीब 12,000 छात्रों को दीर्घकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों और लगभग 30,000 छात्रों को लघुकालिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है। सिपेट ने अनेक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से संकाय विनिमय व छात्र विनिमय के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर चुका है।

तकनीकी सहयोग : सिपेट एक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से प्लास्टिक्स उद्योगों के लिए डिजाइन, टूलींग, प्लास्टिक प्रसंस्करण, परीक्षण एवं गुणवत्ता आश्वासन और निरीक्षण सेवाओं के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी सहायता सेवाएं प्रदान करता है। सिपेट तकनीकी क्षमताओं को मजबूत बनाने के क्षेत्र में अग्रणीय रहा रहा है और लगातार क्षमताओं का निर्माण करने और अपनी विशेषज्ञता, क्षमता का लाभ और कौशल उद्योगों के उभरते और विकसित जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच.ए.एल), आर्डिनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओ.एफ.बी.), इलेक्ट्रॉनिक कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारी संगठनों को प्रिसीजन टूलींग, मोल्ड और उत्पाद विकास के लिए अपने संभावित विक्रेता के रूप में सिपेट को मान्यता प्रदान की है।

अनुसंधान : अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास हब होने की वजह से सिपेट ने 02 अलग अनुसंधान एवं विकास विभाग चेन्नई और भुवनेश्वर सिपेट केन्द्रों में संस्थापित किये हैं। एडवांस्ड रिसर्च स्कूल फॉर टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट सिमुलेशन, चेन्नई में और लेबोरेटरीफॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड पॉलीमर मटेरियल भुवनेश्वर में चल रहे हैं। ये दोनों सिपेट के विश्वस्तरीय अनुसंधान विकास विभाग हैं जो खासतौर से अनुसंधान एवं उद्योग एवं विश्वविद्यालयों के सहयोग से चलाये जाते हैं ताकि भारत और विदेश में प्रोटोटाइप को विकसित किया जा सके जिससे इंजीनियरिंग से सम्बंधित समस्याओं का निदान हो सके और सामग्री, संरचना और यांत्रिक प्रणालियों के व्यवहार पर सूक्ष्म विश्लेषण का संचालन करने के लिए।

पॉलीमर मटेरियल एवं उत्पाद विकास में समर्पित अनुसंधान एवं विकास विभाग नये पॉलीमेरिक मटेरियल और इसके इस्तेमाल के लिए वह बौद्धिक संपत्ति को व ज्ञान को विकसित करेगा एवं उद्योगों को वाणिज्यिक व्यवसाय के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मुहैया करेगा।

सिपेट सफलतापूर्वक विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी वित्तीय संस्थाओं द्वारा प्रायोजित पॉलीमर विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों में 60 से अधिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को पूर्ण कर चुका है तथा 65 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किये गये हैं। इसके अलावा सिपेट उत्पाद डिजाइन के विभिन्न क्षेत्रों में और पॉलीमर कंपोजिट्स, नैनो कंपोजिट्स आदि पर 04 पेटेंट दायर किया है।

सिपेट भारत सरकार के विज्ञान एवं उद्योग अनुसंधान विभाग द्वारा प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है।

सिपेट पेशेवर 80,000 पूर्व छात्र एल्युमीनी रखता है, सिपेट भारत में ही नहीं बल्कि एशिया में भी अपनी तरह का एक अनूठा संस्थान है जो कि एक सर्वोच्च प्लाटिक्स प्रौद्योगिकी के संस्थान के रूप में उभर कर आया है। सिपेट से प्रशिक्षित छात्र/छात्राएं दक्षिण एशिया, मिडिल ईस्ट, देशों, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरीय अमरीका, सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, कोरिया, ओमान, सऊदी अरब, नाइजीरिया, केन्या, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी आदि देशों में कार्यरत हैं।

सिपेट की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता का यह प्रमाण है कि इसे ओमान के सुल्तान, सऊदी अरब राजशाही, श्रीलंका, कतर, यूनाइटेड अरब अमीरात, सिंगापुर, मलेशिया, केन्या, बांग्लादेश आदि से शैक्षिक एवं परामर्श सेवा देने हेतु प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं।

सिपेट प्रकाशनों की शृंखला प्रकाशित करता है। जैसे कि सिपेट टाइम्स जो कि इसका घरेलू प्रकाशन है जिसमें सिपेट की गतिविधियाँ, उद्योगों की प्रवित्तियों के बारे में घटना क्रम, समाचार और विचार इत्यादि प्रकाशित करता है। सिपेट का अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन भी प्लास्टिक प्रौद्योगिकी से सम्बंधित है को वैज्ञानिक प्रकाशन के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। इसका सम्पादकीय मंडल अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है। मैसर्स स्प्रिंगर पब्लिशर्स जो 2009 से आईजेपीटी पब्लिश कर रहे हैं ने सिपेट के घरेलू प्रकाशन को महत्वपूर्ण पहचान दिलाई है।

सिपेट प्लास्ट इंडिया फाउंडेशन के एक स्थापक सदस्य होने के नाते—भारत में सभी प्लास्टिक्स एसोसियेशन के एक शीर्ष निकाय ने भारत में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय प्लास्टिक संघों के साथ बहुत अच्छी बातचीत की स्थापना कर रखी हैं।

सिपेट सरकार की पहल/नई योजनाओं लागू करता है। जैसे कि स्वच्छ भारत अभियान, डिजिटल इंडिया, मेकिंग इंडिया, स्कील इंडिया कम से कम सरकार और अधिकतम शासन व्यवस्था।

2. मुख्य आकर्षण

2.1 शैक्षणिक

- ❖ सिपेट उच्च स्तरीय 08 शैक्षणिक कार्यक्रम (स्नातक एवं स्नातकोत्तर) संचालित करता है जो कि राज्यों के विश्वविद्यालयों से अनुबंधित रहता है जिसमें सिपेट उच्च स्तरीय केन्द्र अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चैन्नै, लखनऊ एवं कोच्चि आते हैं।
- ❖ सिपेट के सभी शिक्षा केंद्र अनेक लघुकालीन डिप्लोमा, स्नातक डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम चला रहे हैं जिनकी अवधि डेढ़ वर्ष से लेकर 03 वर्ष तक है।
- ❖ कौशल विकास पर राष्ट्रीय नीति के तहत “डीजी एंड टी” ने कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम बेरोजगार/कामरोजगार वाले लोगों को प्लास्टिक प्रोसेसिंग व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देने मान्यता प्रदान कर रखी है, सिपेट व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु “एन.एस.डी.ए.” के साथ पंजीकृत है।
- ❖ शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान सिपेट विजयवाडा (आ.प्र.), भोपाल (म.प्र.), बद्दी (हिं.प्र.), मेढक (तेलं.) और बलसाड (गुज.) में 05 विशेषीकृत केन्द्रों की स्थापना की गई है।

शैक्षणिक कार्यक्रमों में वृद्धि एक नजर में

- ❖ शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान 12,629 छात्र/छात्राएं छात्र दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकृत किये गए जिनमें से 2,329 छात्र/छात्राएं स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, 10,300 छात्र/छात्राएं पारम्परिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पंजीकृत हुए। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में छात्रों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- ❖ सिपेट द्वारा वर्ष 2014–15 में चलाये गये अल्पकालिक कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में सराहनीय वृद्धि पाई गई है जिसमें वर्ष 2014–15 में 30,281 प्रतिभागी वर्ष 2013–14 के 28,498 की तुलना में छात्र लाभान्वित हुए।
- ❖ कई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सिपेट द्वारा आयोजित किये गए जिन्हें राज्य/केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग, विकलांग, अल्पसंख्यक, आर्थिक रूप से कमजोर लोगों व महिलाओं के लिए प्रायोजित किया गया।
- ❖ सिपेट ने ख्याति प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों, स्टाफ विनिमय, कार्यक्रम, सहकारिता, अनुसन्धान कार्यक्रम, तकनीकी सेवाएं एवं विकास परियोजनाओं हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।
- ❖ वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग सुविधा सिपेट के सभी केन्द्रों पर स्थापित की गयी और इसकी सह इकाईयों पर विशेषज्ञों और संकाय के लेक्चरों के टेलीकास्ट की सुविधा प्रदान की गयी। विभिन्न केन्द्रों के बीच छात्रों के विचार–विमर्श की सुविधा उपलब्ध हुई।
- ❖ पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित प्लाटिक्स प्रसंस्कारण, अपशिष्ट प्रौद्योगिकी प्लास्टिक्स उत्पाद डिजाइन, कैड/कैम, उपकरण के विकास के लिए सी.एन.सी. प्रोग्रामिंग एवं मशीनरी के रख–रखाव के क्षेत्रों में रोजगारन्मुख प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों में 985 बेराजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

- ❖ छात्रों का शैक्षिक ज्ञान बढ़ाने के लिए सिपेट केन्द्रों में डिजिटल पुस्तकालय शुरू किये गए। सिपेट का पुस्तकालय पोर्टल www.cipetlibrary.gov छात्रों व संकाय सदस्यों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है। सिपेट का संस्थागत खजाना जिसे डी स्पेस द्वारा ऊर्जा मिलती है इस डिजिटल सॉफ्टवेयर शोधपत्रों का सारांश Dspace बैंक, सिपेट के संकाय के अनुसंधान प्रकाशन को संजोये। Dspace बैंक में 132 ई-संसाधन उपलब्ध हैं।
- ❖ कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सिपेट केन्द्रों विभिन्न राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। उनके क्षेत्र अर्थात् विभागों/विश्वविद्यालयों में 1) रोजगार एवं शिल्पकार प्रशिक्षण विभाग, नागार्लैंड सरकार, 2) श्रम रोजगार एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, मिजोरम सरकार, 3) रोजगार एवं शिल्पकार प्रशिक्षण विभाग, मेघालय सरकार, 4) उद्योग विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, 5) रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद म.प्र. आदिवासी एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, म.प्र. सरकार, 6) उड़ीसा राज्य रोजगार मिशन, रोजगार और तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण विभाग, उड़ीसा सरकार, 7) अनुसूचित जाति एवं जनजाति विभाग, वित्त सहकारी निगम लिमिटेड, भुवनेश्वर, उड़ीसा सरकार, 8) आदिवासी विकास विभाग महाराष्ट्र सरकार, 9) राजस्थान ग्रामीण आजीविका परिषद, राजस्थान सरकार, 10) पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, कर्नाटक सरकार, 11) अहिल्या यूनिवर्सिटी कोलकाता एवं 12) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास एवं वित्त निगम, कोलकाता, पश्चिम बंगाल सरकार।
- ❖ मॉड्यूलर रोजगार कौशल विकास के आधार पर कौशल विकास पहल (एसडीआई) योजना के तहत प्लास्टिक्स प्रसंस्करण क्षेत्र के उन्नत हेतु रोजगार एवं प्रशिक्षण के उन्नयन हेतु निदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता हस्ताक्षर पर किये गये।
- ❖ सिपेट संस्थान के द्वारा मेसर्स पावर फायरेंस लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड और एन.टी.पी.सी. के कॉर्पोरेट सोशल जिम्मेदारी एवं सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के क्षेत्रों द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत वंचितों/बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- ❖ सिपेट मुख्यालय द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र (टीटीआरसी) लोहिया कॉर्प लिमिटेड, कानपुर के साथ श्रम एवं विकास प्रशिक्षण ऑपरेटर स्तर हेतु (प्लास्टिक्स बोरियों की मशीन संचालन (पीएसएमओ), एक समझौता करार किया गया एवं टी.टी.आर.सी. की सुविधाओं के उपयोग के लिए भी करार हुआ।

2.2 तकनीकी सहयोग सेवाएं

- ❖ वर्ष 2014–15 के दौरान प्लास्टिक एवं सम्बंधित उद्योगों को कुल **45692** तकनीकी सहयोग सेवाएं प्रदान की गयी जो पिछले वर्ष की तुलना में 11% अधिक हैं।
- ❖ सिपेट की तकनीकी सहयोग सेवाएं तेजी से बढ़ रही हैं और सभी क्रियाकलापों के क्षेत्रों जैसे डिजाइन, टूलींग, प्लास्टिक प्रसंस्करण और परीक्षण, निरीक्षण व गुणवत्ता नियंत्रण आदि शामिल हैं।
- ❖ स्वरथ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने सिपेट प्रयोगशालाओं को मान्यता प्रदान की है और गर्भनिरोधकों जैसे कंडोम, कॉपर टी और ट्यूबल छल्ले की टेस्टिंग और उसकी क्वालिटी जाँच के लिए अनुबंध दिया है।
- ❖ सिपेट की विशेषतायें थर्ड पार्टी निरीक्षण केन्द्र के रूप में अनेक केंद्रीय व राज्य संगठनों, जो प्लास्टिक और सम्बंधित उत्पादों से सम्बंधित हैं, द्वारा मान्यता प्राप्त कर रखी हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान अनेक राज्य सरकारों और इससे संबंधित विभागों से 1500 कार्यों के लिए देशभर से ख्याति प्राप्त उद्योगों से प्राप्त हुआ है।
- ❖ सिपेट ने पॉलीमर डेटा सेवा (पीडीएस) की स्थापना की है। इसका उद्देश्य डेटाबेस के माध्यम से उद्योगों को एक दूसरे से जोड़ना है ताकि पॉलीमर उद्योगों का विकास किया जा सके। पीडीएस अनेक सेवाएं प्रदान करता है जैसे—परियोजना प्रबंधन परामर्श, मानव संसाधन विकास प्रदर्शनियां, सभाएं, सेमिनारों, कार्यशालाओं, पुरस्कारों का आयोजन और अनुसन्धान व विकास संस्थानों को व्यावसायिक अनुसंधानों सहयोग सेवा इत्यादि।
- ❖ सिपेट ने भारत सरकार रसायन व पेट्रोरसायन विभाग की ओर से चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार आयोजित किया। यह पुरस्कार पेट्रोरसायन, प्लास्टिक प्रोसेसिंग उद्योग में तकनीकी उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। 313 प्राप्त नामांकनों में 17 को विजेता घोषित किया गया और 6 को रनरअप और 23 को सर्टिफिकेट के लिए चुना गया। चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह मानेकसह केन्द्र, नई दिल्ली में 17 जुलाई, 2014 को आयोजित किया गया था। श्री अनंत कुमार, माननीय मंत्री, रसायन एवं उर्वरक, मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 23 विजेताओं को पुरस्कार, श्री निहालचंद, माननीय राज्य मंत्री रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, सचिव सी.एन.पी.सी. एवं श्री अविनाश जोशी, भा.प्र.से. की उपस्थिति में वितरित किया गया।
- ❖ सिपेट ने भारत सरकार, रसायन व पेट्रोरसायन विभाग की ओर से पेट्रोकेमिकल एवं डाउन स्ट्रीम प्लास्टिक्स प्रसंस्करण उद्योगों के लिए 5वा राष्ट्रीय पुरस्कार तकनीकी खोज का आयोजन किया। जिसके लिए 290 नामांकन ऑनलाईन प्राप्त हुए उनमें से 16 को विजेता घोषित किया गया और 14 को रनरअप और 30 को सर्टिफिकेट के लिए चुना गया। 5वा राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन 21 फरवरी, 2015 को द ललित अशोक, बैगलूरु में किया गया। श्री अनंत कुमार, माननीय मंत्री, रसायन एवं उर्वरक, मंत्रालय, भारत सरकार, ने 08 कक्षाओं के तहत पुरस्कार प्रदान किये।

- ❖ राष्ट्रीय पुरस्कार 2014–15 में सिपेट को रनरप पुरस्कार शैक्षणिक एवं अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र की श्रेणी में “इनोवेशन इन पालीमर मटेरियल” के लिए 21 फरवरी 2015 को मिला।



- ❖ अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन की 6वीं वीं श्रंखला—पॉलीमेरिक मटेरियल (ए पी एम) 2015 – पॉलीमेरिक मटेरियल में छिपी क्षमता की खोज हेतु पॉलीमेरिक मटेरियल की उन्नत अनुसन्धान प्रयोगशाला एआरएसटीपीएस, चैन्नै सिपेट के आर एंड डी विभाग द्वारा 20 से 22 फरवरी, 2015 तक एनएसएससी, इंडियन इंस्टिट्युट ऑफ साइंस, (आई.आई.एस.सी.) बैगलूरु में आयोजित की गयी। इस सम्मलेन में 174 विश्वविद्यालय और शैक्षिक संस्थाएं, अनुसन्धान एवं विकास प्रयोगशालाएं जो भारत व विदेशों की हैं के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया। श्री हंसराज गंगाराम अहीर, माननीय राज्य मंत्री रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, ने 19 फरवरी 2015 को उद्घाटन किया। इस सम्मलेन के दौरान कुल 406 अनुसंधान पेपर प्रकाशित किये गये। इस सम्मेलन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, मलेशिया, कनाडा, बेल्जियम, इटली और न्यूजीलैण्ड के प्रतिनिधियों ने अपनी खोज विशेषज्ञता को साझा किया।



2.3 अनुसन्धान एवं विकास

- ❖ सिपेट ने विश्व ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ साझा अनुसन्धान परियोजनाओं संकाय/छात्र विनिमय कार्यक्रम और मानक एवं विशेषज्ञ हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये—
 - यूनेस्प, ब्राजील
 - शंघाई विश्वविद्यालय, चीन
 - हननं विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
 - क्यूंग ही विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया
 - इंस्टिट्यूट ऑफ बायोपॉलीमर एंड केमिकल फाइबर लोड्स, पोलैंड
 - द सीआइएटीईक्यू ए.सी. एडवांस्ड टेक्नोलॉजी केन्द्र
 - टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा
 - मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय, ईस्ट लैसिंग, यू.एस.ए.
 - पेन राज्य विश्वविद्यालय, पेन्सिल्वेनिया, यू.एस.ए.
 - मैसाचुएट्स विश्वविद्यालय, लोवाल, यू.एस.ए.
 - एएसटीएम अंतर्राष्ट्रीय, फिलाडेलिफ्या, यू.एस.ए
 - मैसाचुएट्स तकनीकी संस्थान (एमआईटी), यु.एस.ए
 - गेल्फ विश्वविद्यालय, कनाडा
 - यूरोपियन बायोप्लास्टिक एंड अंतर्राष्ट्रीय बायोग्रीडेबल प्रोडक्ट्स इंस्टिट्यूट, यूरोप
 - यूरोपियन हायर इंस्टिट्यूट फॉर द एंटरप्राइज एंड इंटर्प्रेटेशन तकनीक, मेटज, फ्रांस
 - एमबी लोमोनोसोव मॉस्को राज्य विश्वविद्यालय, मॉस्को रशिया
- ❖ अनेक सरकारी संस्थाओं जैसे डीएसटी, डीसीपीसी, सीएसआईआर, ओआईडीबी, व डीबीटी, डीआरडीओ आदि से अनुसन्धान एवं विकास के अनेक प्रायोजित कार्यक्रमों को प्राप्त किया गया जिनमें से कुछ को सफलतापूर्वक पिछले 05 वर्षों में पूरा किया जा चुका है। लगभग 60 परियोजनाएं, 65 शोध प्रकाशनों की समीक्षा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में दोनों अनुसन्धान एवं विकास इकाईयों द्वारा की गई हैं। पॉलीमर कंपोजिट्स, नैनोकम्पोसिट्स इत्यादि के क्षेत्र में 04 पेटेंट्स उपरोक्त समय के दौरान मंजूर किये गए।
- ❖ सेंटर ऑफ एक्सिलेंस—सर्टेनेबल ग्रीन मटेरियल्स (सीओई-II) को लारपम द्वारा मार्च 2013 से 03 वर्षों के लिए लागू किया गया है, इस परियोजना में मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय, (एम.एस.यू.), यू.एस.ए. यूरोपियन बायोप्लास्टिक एंड अंतर्राष्ट्रीय बायोग्रीडेबल प्रोडक्ट्स इंस्टिट्यूट, यू.एस.ए. एवं उद्योग मेसर्स रायडिक इंडिया केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा, मेसर्स हरिता, एन.टी.आई. चेन्नै और मेसर्स ई.पारीशारा, बैगलूरु का सहयोग है। इस परियोजना के तहत 13 रिसर्च स्कॉलर और एक रिसर्च एसोसिएट त्रिमुखी परियोजना में कार्यरत हैं। रिसर्च फेलोशिप/स्टायफंड, डीएसटी/सीएसआईआर के नियम एवं शर्तों के अनुसार दिया जाता है। इस परियोजना का मुख्यतः उद्देश्य नश्वर संसाधनों की कमी एवं साथ ही साथ प्लास्टिक के अपशिष्ट पदार्थों का निपटान है।
- ❖ मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा 19 आवेदकों का साक्षात्कार सिपेट भुवनेश्वर एवं सिपेट मुख्यालय में किया गया, जिसमें 08 आवेदकों का चयन साक्षात्कार में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर किया गया एवं मिशिगन राज्य विश्वविद्यालय के नीति नियमों के अंतर्गत पी.एचडी प्रोग्राम में ऑनलाईन आवेदन करने की सूचना दी गई। कुल 05 आवेदकों ने अपना ऑनलाईन आवेदन जमा किया एवं अभी निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

- ❖ इस परियोजना की समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञों की पैनल ने योजना की समीक्षा एवं आंकलन के लिए दिनांक 03.04.2015 को सिपेट लारपम का दौरा किया गया।
- ❖ “ग्रीन परिवहन नेटवर्क—ग्रीट परियोजना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना एआरएसटीपीएस—सिपेट भारत एवं टोरंटो विश्वविद्यालय के सहयोग से तथा रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के वित्त लागत से बनाई जा रही है। इस परियोजना के लक्ष्यांक अनुसार 20 शोधकर्ता विद्वान का चयन किया गया था जो कि विभिन्न 04 विषयों पर कार्यरत होंगे एवं उनका वेतन/वजीफा डीएसटी/सीएसआईआर के नियमों एवं दिशा निर्देशों के अनुसार तय किया गया। इस परियोजना से संबंधित 20 शोधकर्ताओं में से 05 शोधार्थी का पीएचडी का पंजीकरण टोरंटो विश्वविद्यालय में एवं अन्य 15 शोधार्थियों का पीएचडी पंजीकरण भारत में संबंधित विश्वविद्यालयों में किया गया एवं यह परियोजना सितम्बर 2015 तक पूरी हो जायेगी।
- ❖ सिपेट ने मेसर्स हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), बैगलुरू के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया जिसमें विमान संरचनात्मक घटकों का विकास, विमान संरचनात्मक घटकों को जोड़ने वाले एडेसिव का विकास, कंपोजिट एवं एडेसिव से संबंधित विशेष परीक्षण कार्यक्रम। नौसेना अनुप्रयोगों के लिए पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स और दबाव सेंसर के लिए प्रवाहकीय आवास हेतु मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बैगलुरू के साथ समझौता ज्ञापन पर सिपेट ने हस्ताक्षर किए। एक समझौता ज्ञापन पर आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) के साथ शीघ्र ही हस्ताक्षर किये जाएंगे जिसमें रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण, बहुलक सामग्री एवं उत्पादन प्रणाली में नवीनतम प्रौद्योगिकी के लिए तकनीकी सहायता सेवा प्रदान करना।
- ❖ महामहिम डॉ. साउद मोहम्मद, अलसादी, राजदूत किंगदम ऑफ साऊदी अरेबिया की उपस्थिति में मेसर्स सेबिक, बैगलुरू के साथ अनुसंधान परियोजना के आपसी सहयोगात्मक विकास एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए सिपेट ने दिनांक 19 फरवरी 2015 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।
- ❖ **एनटीपीसी परियोजना – सौर पीवी पैनल फ्लोटिंग तंत्र का विकास**

एनटीपीसी ऊर्जा प्रौद्योगिकी रिसर्च एलायंस एनटीपीसी लिमिटेड, नोएडा ने सौर पीवी पैनल फ्लोटिंग तंत्र के स्वदेशी विकास के लिए एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना 400 करोड़ रुपये की स्वीकृति सिपेट एआरएसटीपीएस, चेन्नै को दी है जिसमें सौर पीवी पैनल फ्लोटिंग तंत्र का विकास किया जाना है। इस परियोजना के उद्देश्य निम्न हैं –

- सौर पीवी पैनल के लिए प्लास्टिक चल तंत्र विकसित करना।
- सौर पीवी पैनल के लिए 400 सेट प्लास्टिक चल तंत्र का निर्माण एवं आपूर्ति।
- केरल में 100 केडब्ल्यूपी फ्लोटिंग पीवी प्रणाली एनटीपीसी जलाशय, कायमकुलम में स्थापित करना।

2.4 परियोजना गतिविधियाँ

- ❖ एडवांस्ड टूलींग एंड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेंटर (एटीपीडीसी), मदुरै

एडवांस्ड टूलींग एंड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेंटर (एटीपीडीसी), मदुरै जो कि सिपेट चेन्नई की एक इकाई है के नए प्रांगण का निर्माण कार्य आखिरी चरण में है। इस निर्माण पर 24.80 करोड़ रुपये व्यय होंगे जो भारत सरकार और तमिलनाडु सरकार द्वारा बराबर बराबर साझा किये जाएंगे। संस्थागत ब्लॉक और लड़कों के छात्रावास के लिए नए परिसर का निर्माण पूरा कर लिया गया है और केन्द्र 29 जून 2015 के पश्चात् से नए परिसर में आरंभ हो जायेगा।

❖ सेंटर फॉर बायोपोलीमेर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीबीपीएसटी), कोच्चि

बायोपोलीमेर साइंस एंड टेक्नोलॉजी केंद्र मैसर्स एफएसीटी प्रांगण, उद्योग मंडल कोच्चि में स्थापित किया। इसकी कुल लागत 24.90 करोड़ रुपये हैं जो अस्थायी स्थान पर कार्य कर रहा है। सीबीपीएसटी 02 वर्षीय एम.एससी बायोपोलीमेर साइंस व पी.एचडी पाठ्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोचीन के सहयोग से चला रहा है एवं इसकी क्षमता 40 छात्रों की है। राज्य सरकार केन्द्र के लिए स्थाई भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटित करने की प्रक्रिया में है।

❖ कौशल विकास केन्द्र (एसडीसी) एपीपीटीसी बलसोर, ओडिशा

ओडिशा सरकार ने कौशल विकास केंद्र बालासोर, ओडिशा में स्थापित करने की मंजूरी दे दी है, बमपाड़ा इंडस्ट्रियल स्टेट बालासोर में 5.6 एकड़ भूमि भवन निर्माण के लिए आवंटित की है और इसके 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं परियोजना कार्य प्रगति पर है। कौशल विकास केंद्र कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण उड़ीसा के बेरोजगार युवाओं को प्रदान किया जायेगा।

❖ उच्च शिक्षा/व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम रुद्राम, जिला मेढक (तेलंगाना)

मेढक (तेलंगाना) में उच्च शिक्षा केन्द्र सह-व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना के लिए सिपेट पहले से ही हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन लिमिटेड (एचएफएल) से 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर चुका है। इस संबंध में एक परियोजना प्रस्ताव प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, तेलंगाना सरकार को दिनांक 23.03.2015 को प्रस्तुत की गई है जिसमें सिपेट-एचएलसी की स्थापना हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन लिमिटेड (एचएफएल), रुद्राम मेढक, जिला हैदराबाद की जमीन पर प्रस्तावित है। इस विषय में सक्रिय रूप से प्रस्ताव के प्रारंभिक मंजूरी के लिए कार्य किया जा रहा है इसके साथ ही कार्यक्रमों की मंजूरी के लिए सिपेट राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है।

❖ अन्य प्रशिक्षण केन्द्र, विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश)

आंध्रप्रदेश सरकार ने विजयवाड़ा में सिपेट केन्द्र की स्थापना के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित करने की सैद्धांतिक सहमति पत्र 16.03.2015 को प्रदान की है, इस संबंध में सिपेट केन्द्र की स्थापना के लिए सिपेट ने उचित जगह की पहचान विजयवाड़ा विभाजन यानी इब्राहिम पत्तनम में की है, इस संबंध में आवेदन संयुक्त कलेक्टर, कृष्णा जिले को प्रस्तुत किया गया है जो कि प्रक्रिया में है ऐसी उम्मीद की जा रही है कि भूमि का अधिग्रहण शीघ्र ही सिपेट को मिल जायेगा।

इस बीच कौशल विकास कार्यक्रमों के तत्काल प्रारंभ के लिए सिपेट ने आम क्रिटिकल मशीनरी और आम परीक्षण केन्द्र मेसर्स विजयवाड़ा ॲटो कल्चर डेवलमेंट कंपनी लिमिटेड, जे. ॲटो नगर, विजयवाड़ा में चयनित कर ली है साथ ही अनुवर्ती कार्रवाई के लिए योग्य प्रयास किये जा रहे हैं।

❖ व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, धरमपुर, बलवाड़ (गुजरात)

अनुसूचित जनजाति के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना धरमपुर, बलवाड़ (गुजरात) में रुपये 31.77 करोड़ की कुल लागत से किया जा रहा है एवं सक्रिय रूप से राज्य सरकार के साथ इसके लिए लगे हुए हैं इस दरम्यान तुरंत व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र कार्यक्रमों को शुरू करने हेतु किराये का आवास एनएच-8 धरमपुर, चोकहांडी, अटाक पारदी, बलसाड में ले लिया गया है। सिपेट अहमदाबाद से श्रमशक्ति पहले से ही प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए स्थानांतरित की

जा चुकी है। सिपेट अहमदाबाद केन्द्र से चयनित मशीनरी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, बलसाड़ में स्थानांतरित की जायेगी। प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण प्रौद्योगिकी (पीपीएमटी) कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन किया जा चुका है तथा मई माह से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है इसके अलावा गुजरात राज्य सरकार के साथ वर्ष 2015–16 में 900 आदिवासी युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हस्ताक्षर किये गये हैं। जिसमें वर्ष 2015 लक्षित 2000 उम्मीद भी सहमति पत्र में शामिल है।

❖ व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, बद्री, (हिमाचल प्रदेश)

बद्री में व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थापना के लिए कुल रु. 40.10 करोड़ के परियोजना की लागत में हिमाचल प्रदेश, भारत सरकार, भारत के लिए सक्रिय रूप से पीछा किया जा रहा है जो कि 50:50 प्रतिशत के आधार पर राज्य व केन्द्र सरकार के बीच साझा लागत पर तैयार होने के लिए सक्रिय रूप प्रगति पर है। तकनीकी शिक्षा विभाग हिमाचल प्रदेश ने 7 एकड़ जमीन का स्थानांतरण तकनीकी शिक्षा विभाग को कर दिया है साथ ही वित्तीय वर्ष 2014–15 में रु. 1.00 करोड़ का बजट का प्रावधान परियोजना की स्थापना के लिए किया गया है। इस वर्ष 2015–16 के दौरान "व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, बद्री" के द्वारा 3000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

❖ व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल

भोपाल में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, मध्यप्रदेश की स्थापना के लिए कुल 40.10 करोड़ की लागत का एक प्रस्ताव राज्य एवं केन्द्र सरकार को दिया गया है जो कि 50:50 प्रतिशत के आधार पर राज्य व केन्द्र सरकार के बीच साझा लागत पर तैयार होगा। मध्यप्रदेश सरकार ने मुफ्त में 10 एकड़ भूमि का आबंटन, सेमेरा गांव, गोविन्दपुरा, औद्योगिक क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र लगाने हेतु दिया है। जिला उद्योग केन्द्र (डीआईसी) से भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया प्रगति पर है इस वर्ष 2015–16 के दौरान व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल के द्वारा 2500 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

3. शैक्षणिक कार्यक्रम

भारतीय प्लास्टिक उद्योग की मानव संसाधन आवश्यकताओं एवं युवकों के लिए रोजगार अवसर प्रदान करने के लिए सिपेट कीशैक्षणिक गैविधियों को 04 वर्गों में विभाजित किया गया है।

- डॉक्टरेट, स्नातकोत्तर एवं स्नातक कार्यक्रम उच्च कार्यक्रम हैं जो उच्च शिक्षा केन्द्रों (एचएलडी) द्वारा संचालित किये जाते हैं।
- पारम्परिक सिपेट डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम अन्य शैक्षणिक केन्द्रों पर संचालित
- कौशल विकास कार्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- उद्योग के विशेष कार्यक्रम

डॉक्टरेट, स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम अहमदाबाद, चेन्नई, भुवनेश्वर, लखनऊ एवं कोच्चि जैसे उच्च शिक्षा केन्द्रों पर सम्बंधित राज्य विश्वविद्यालय के साथ मिल कर चलाये जा रहे हैं।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले सम्बद्ध राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा किये जाते हैं और डिप्लोमा, स्नातक डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में शिक्षा सत्र 2014–15 में दाखिले देशभर में 50 केन्द्रों पर सफलतापूर्वक 13 जुलाई, 2014 को किये गए। वर्ष 2014–15 का शैक्षणिक सत्र 11 अगस्त 2014 को नीचे दर्शाये गए आंकड़ों के अनुसार शुरू हुआ।

विवरण	कुल
आवेदन पत्रों की बिक्री	35,234
प्राप्त हुए आवेदनों की संख्या	27,419
संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई.) के लिए प्राप्त आवेदन पत्र	25,537
परीक्षा में उपस्थित छात्र संख्या	18,709
प्रवेश पाने वाले छात्र	4,398

3.1 शैक्षणिक कार्यक्रम

उद्योग को मानव संसाधन उपलब्ध कराने हेतु सिपेट ने निम्न शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित किये हैं।

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अवधि
1	एम ई/एम टेक प्लास्टिक अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी	2 वर्ष
2	पॉलीमर नैनोटेक्नोलॉजी में एम टेक	2 वर्ष
3	कैड / कैम में एमई	2 वर्ष
4	एम.एससी टेक (मटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग)	5 वर्ष
5	एम.एससी बायोपॉलीमर साइंस	2 वर्ष
6	एम.एससी पॉलीमर साइंस	2 वर्ष
7	बी.ई बी.टेक. (प्लास्टिक इंजीनियरिंग / टेक्नोलॉजी)	4 वर्ष
8	बी.ई बी.टेक.(मैच्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग / टेक्नोलॉजी)	4 वर्ष
9	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा प्लास्टिक प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग	1½ वर्ष
10	पोस्ट डिप्लोमा प्लास्टिक मोल्ड डिजाइन में कैड / कैम	1½ वर्ष
11	प्लास्टिक टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा (डीपीटी)	3 वर्ष
12	डिप्लोमा इन प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी (डीपीएमटी)	3 वर्ष

शैक्षणिक वर्ष 2014–15 के दौरान विभिन्न दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में पंजीकृत कुल छात्रों की संख्या का उल्लेख संलग्नक-01 में दिया गया है—



3.2 सिपेट का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ नेटवर्क

राष्ट्रीय

- ❖ राष्ट्रीय सेमीनार—बॉयोपॉलीमर एंड ग्रीन कंपोजिट्स (बी.पी.जी.सी. 2014–02 श्रृंखला) का आयोजन सी. बी.पी.एस.टी. ने 14.11.2014 को कोच्चि में किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. कै.वी. थॉमस, मेंबर ऑफ पारलयामेंट, एर्णाकुलम एवं अध्यक्ष, पारलयामेंट पब्लिक एकाउंट कमेटी (पीएसी) ने किया।



- ❖ बॉयोडेंग्रेबल सेमीनार का आयोजन केरला की 14 जिलों में जनवरी 2015 से मार्च 2015 तक किया गया, इस सेमीनार में प्रत्येक जिले से 70–80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



- ❖ नेशनल टेक्निकल सिम्फोशियम—टेपीक 2014 का आयोजन सिपेट चेन्नै के द्वारा किया गया, इसकी प्रथम शृंखला में विभिन्न 50 इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों ने 12 सितम्बर 2014 को भाग लिया।



अंतर्राष्ट्रीय

- ❖ विशेष व्याख्यान वीडियो कॉफ्रेसिंग के द्वारा श्री जॉन बॉइसेव (से.नि. बी.ए.एस.एफ. यू.एस.ए.) और क्यू—लैब कार्पोरेशन यू.एस.ए. ने दिनांक 10 सितम्बर, 2014 को "रिसेंट इवोल्यूशन ऑफ स्टंडर्ड्स इन बेदरिंग, द टेस्टिंग नीडएंड रिक्वायरमेंट इन दी पॉलीमर एंड कोटिंग इंडस्ट्रीज" विषय पर दिया।
- ❖ विशेष व्याख्यान वीडियो कॉफ्रेसिंग के द्वारा श्री रिचर्ड हीरेस्ट, वाइस प्रेसीडेंट, न्यू बिजनेस डेवलपमेंट, हल्टेक ग्रुप, यू.एस.ए. एवं उनके साथी श्री पीटर, आस्ट्रेलिया ने दिनांक 20 नवम्बर, 2014 को "डेवलपमेंट ऑफ प्लास्टिक्स पाइपस फॉर वाटर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम" विषय पर दिया।
- ❖ मास्को राज्य विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रतिनिमंडल जिसमें प्रणय शर्मा (पीसी) एवं पीसी विभाग, भारत सरकार और डॉ. सुभाष चंद्र शिट, उपनिदेशक (तकनीकी सेवा), सिपेट भारत ने एमवी लोमोनोसोव मास्को राज्य विश्वविद्यालय, मास्को रूस का दौरा 15–22 जून 2014 के बीच किया एवं इस दौरे के दरमियान एमवी लोमोनोसोव मास्को राज्य विश्वविद्यालय, मास्को रूस तथा सिपेट भारत छात्रों के आदान—प्रदान और सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए 20 जून 2014 को समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।



3.3 लघुकालिक /टेलरमेड/ मॉडलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- ❖ सिपेट उद्योग विशेष से सम्बंधित प्रौद्योगिकी/मॉडलर/टेलरमेड कार्यक्रम आयोजित करता है। ये कार्यक्रम उन तकनीकी लोगों सभी मुख्य विभागों जैसे प्लास्टिक प्रोसेसिंग, मैन्युफैक्चरिंग ऑफ मोल्ड एंड डाई, टेस्टिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण और कैड/कैम/केई में कार्य करते हैं और अपना तकनीकी ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं।
- ❖ 2014–15 के दौरान कुल 1843 लघुकालिक पाठ्यक्रम संचालित किये गए जिनके द्वारा 30281 लोग लाभान्वित हुए, इन लघुकालिक पाठ्यक्रमों में निर्गमित लघुकालिक/टेलरमेड पाठ्यक्रम केंद्रीय/राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित विशेष क्षेत्र में समय से पहले सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मचारी एससी/एसटी, अल्पसंख्यक सदस्य, महिला उद्यमी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के बेरोजगार युवा शामिल हैं।

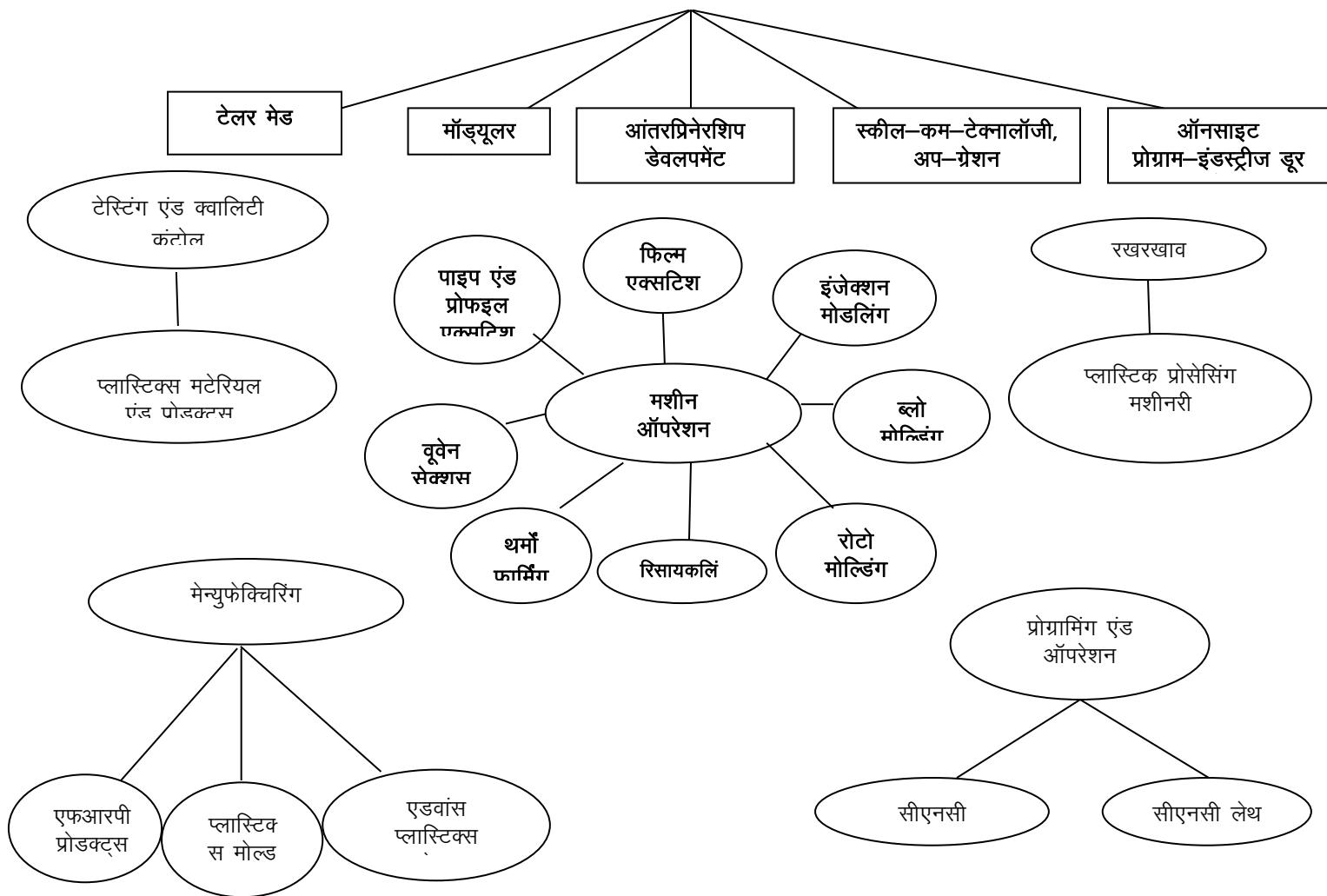
3.4 व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रम

- ❖ कौशल विकास के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नीति है की ऐसे कामगार जाएं जिन का व्यावसायिक कौशल बढ़ाया जा सके और जो अच्छा ज्ञान रखते हों और जिन की योग्यता को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिले ताकि उन्हें अच्छा रोजगार मिल सके जिससे अंतर्राष्ट्रीय श्रम बाजार में प्रतियोगिता में भारत को पहचान मिल सके।
- ❖ इस का मुख्य उद्देश्य संगठित क्षेत्र में उद्धाटन को बढ़ावा देना है ताकि युवाओं, महिलाओं, अपंगों का प्रतिनिधित्व बढ़ सके। साथ ही अनेक क्षेत्रों में सुधार के प्रयास व वर्तमान सिस्टम में सुधार। राष्ट्रीय कौशल विकास नीति ने वर्ष में 15 मिलियन लोगों का प्रशिक्षण लक्ष्य निर्धारित किया है।
- सिपेट व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। ये कार्यक्रम उसे 03 से 06 महीने की अवधि के होते हैं जो सिपेट के व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों पर निम्न क्षेत्रों में चलाये जाते हैं।
- ❖ मॉड्यूलर रोजगार कौशल विकास के आधार पर कौशल विकास पहल (एसडीआई) योजना के तहत प्लास्टिक्स प्रसंस्करण क्षेत्र के उन्नत हेतु रोजगार एवं प्रशिक्षण के उन्नयन हेतु निदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता हस्ताक्षर पर किये गये।
- ❖ सिपेट संस्थान के द्वारा मेसर्स पावर फायरेंस लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड और एन.टी.पी.सी. के कॉर्पोरेट सोशल जिम्मेदारी एवं सरकारी विभागों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के क्षेत्रों द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत वंचितों/बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।
- ❖ सिपेट केन्द्रों पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मेसर्स ईस्टर्न कोल्ड फिल्ड लिमिटेड, पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम (एनएसकेएफडीसी) नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।



कौशल विकास प्रशिक्षण कायक्रम

सिपेट प्लास्टिक्स एवं संबंधित उद्योगों के लिए मानव संसाधन पूर्ण करने हेतु
कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करता है।



जिनका विवरण नीचे दिया गया है –

स. क्र.	पाठ्यक्रम विवरण	पाठ्यक्रम	सहभागिता
1	नियमित अल्पकालीन पाठ्यक्रम	1161	8226
2	इन-प्लांट / वोकेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम	71	8467
3	टेलर मेड पाठ्यक्रम	93	429
4	स्पांसर्ड कायक्रम	518	13159
	योग	1843	30281

सिपेट केन्द्रों के द्वारा चलाये गये कुछ चयनित प्रशिक्षण का विवरण सूची निम्न अनुलग्नक-2 में दिया गया है—



कौशल विकास कार्यक्रम—प्लास्टिक प्रोडक्ट्स मैन्युफेक्चरिंग (पीपीएम) एवं प्लास्टिक प्रोडक्ट्स डिजाइन एंड डेवलपमेंट (पीपीडीडी) का आयोजन अक्टूबर 2014 से मार्च 2015 में अनुसूचित जनजाति विभाग, केरला सरकार के सौजन्य से किया गया।



कौशल विकास कार्यक्रम —मशीन ऑपरेटर (एमओ—आईएम) 06 माह की अवधि के पाठ्यक्रम का आयोजन मेसर्स पावर फायनेंस कार्पोरेशन, नई दिल्ली के सौजन्य से किया गया।



सी.बी.पी.एस.टी. कोच्चि द्वारा दिनांक 20.06.14 एवं 21.06.14 को प्लास्टिक अपशिष्ट आपदा प्रबंधन पर लघुकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।



कौशल विकास कार्यक्रम—अनुसूचित जनजाति के लिए एसडीआई एंड कंपनी एवं एनएफडीसी की सहायता से आयोजित किया गया एवं इस समारोह का उद्घाटन श्री विपिन परमार, सहा. श्रम कमिशनर, अमृतसर ने किया।



सिपेट कैम्पस—। भुवनेश्वर में दिनांक 11.12.2014 को व्यापार में मशीनरी रखरखाव के कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया जिसका आयोजन सीएसआर, मेसर्स पावर फायनेंस कार्पोरेशन लिमिटेड के सौजन्य से हुआ।



ओएसएफडीसी, उड़ीसा सरकार द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षुओं का विदाई समारोह।



एमएमआईए प्रशिक्षणार्थियों की औद्योगिक यात्रा रेलवे कैरिज कार्यशाला, मनचेश्वर, भुवनेश्वर में कराई गई। यह पाठ्यक्रम एम-डोनर मंत्रालय, नई दिल्ली के सौजन्य से चलता है।



एपीपीटीसी बालेश्वर में इंजेक्शन मशीन ऑपरेटर कोर्स (आईआईएमओ) अवधि 15.01.2014 से 14.07.2014 तक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों का विदाई समारोह 12.07.2014 को किया गया। यह एम-डोनर मंत्रालय, नई दिल्ली के सौजन्य से संपन्न हुआ।



श्री पी.के. दास. आई.ए.एस. अतिरिक्त मुख्य सचिव, वाणिज्य उद्योग एवं रोजगार मंत्रालय, म.प्र. सरकार के द्वारा दिनांक 05.04.2014 को नवनिर्मित शैक्षणक भवन, सिपेट भोपाल का उद्घाटन किया गया।

सिपेट चेन्नै द्वारा 08 एवं 09.12.2014 को प्लास्टिक्स परीक्षण उत्पादक एवं उसकी गुणवत्ता नियंत्रण हेतु अल्पकालीन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।



सिपेट गुवाहाटी में असम के विद्यार्थियों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम—मशीन ऑपरेटर प्लास्टिक्स प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी का आयोजन दिनांक 19.09.2014 से 26.12.2014 तक हुआ एवं प्रशिक्षण ट्रेनिंग किट का वितरण किया गया।

सिपेट गुवाहाटी केन्द्र द्वारा लघु अवधि पाठ्यक्रम प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण (पीपीएम) दिनांक 10.11.2014 से 11.05.2015 तक आयोजित किया गया, यह कार्यक्रम मेसर्स गेल इंडिया लिमिटेड के सौजन्य से हुआ।



अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका उद्घाटन माननीय डॉ. उपेन्द्रनाथ विश्वास, एमआईएस, बीसीडब्ल्यूडी, पश्चिम बंगाल सरकार के द्वारा दिनांक 03.11.2014 को हुआ।



वर्ष 2014–15 सिपेट मुरथल में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/महिला एवं समाज के ईडब्ल्यूएस के विद्यार्थियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम मेसर्स पावर फायरेंस कार्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित किया गया।



टीईटीपी अल्पकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन एनएसटीईडीबी-डीएसटी, नई दिल्ली के सौजन्य से विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष प्रदर्शन दिनांक 15.09.2014 से लेकर 27.10.2014 तक किया गया।



कौशल विकास कार्यक्रम प्लास्टिक्स उत्पाद विनिर्माण (पीपीएम) और प्लास्टिक्स उत्पाद डिजाइन और विकास (पीपीडीडी) का आयोजन अक्टूबर 2014 से मार्च 2015 तक अनुसूचित जाति विकास विभाग, केरला सरकार द्वारा आयोजित किया गया।



दिनांक 19 एवं 20 सितंबर 2014 को जिला उद्योग केन्द्र एर्णाकुलम के सहयोग से प्लास्टिक्स रिसाइकिलिंग और अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिक विलिनिक पर बैठक।



सिपेट चैन्नै द्वारा 08 एवं 09 दिसंबर 2014 को प्लास्टिक उत्पाद के परीक्षण एवं उसके गुणवत्ता पर नियंत्रण हेतु लघुकालीन कार्यक्रम का आयोजन।



05 दिवसीय आवासीय टेलरमेड पाठ्यक्रम—संग्रह, भंडारण एवं संभालना और प्लास्टिक्स अपशिष्ट निदान कार्यक्रम सीपीबीसी नई दिल्ली में दिनांक 27 से 31. 12.2014 तक हुआ।



सिपेट गुवाहाटी द्वारा छ: माह अवधि का पाठ्यक्रम मशीन ऑपरेटर (टूलरूम) प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 27 फरवरी 2015 से 27 अगस्त 2015 आयोजन एम-डोनर मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से हुआ।



अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-प्लास्टिक्स इंजेक्शन मोल्डिंग तकनीकी (मई-2014) में हुआ।



एकदिवसीय टेलरमेड कार्यशाला का आयोजन मेसर्स हिंदुस्तान यूनिलेवर, मुंबई के लिए प्लास्टिक सामग्री एवं उनके चयन के मापदंड विषय पर दिनांक 10.11.2014 में हुआ।



अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम-इंजेक्शन एवं लो मोल्डिंग तकनीकी (दिसंबर-2014) में हुआ।

4. प्रौद्योगिकी सहयोग सेवाएँ

सुविधाओं से सुसज्जित सिपेट प्रोसेसिंग, निरीक्षण, गुणवत्ता वादा व निरीक्षण, कैलिब्रेशन व डिजाइन (कैड/कैम/काई) व टूलिंग के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी सहयोग सेवाएं (टीएसएस) भारत व विदेश के प्लास्टिक व एलाइड उद्योग को प्रदान करता है।

सिपेट के प्लास्टिक टेस्टिंग केंद्रों को एशिया की सर्वोत्तम टेस्टिंग सुविधाओं से शुस्ज होने की मान्यता प्राप्त है। सिपेट के टेस्टिंग केंद्रों को भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस), टेस्टिंग व कैलिब्रेशन प्रयोगशाला (एनएबीएल), राष्ट्रीय मान्यता परिषद, कस्टम आदि द्वारा मान्यता मिली हुई है। जिसमें सिपेट मुख्य भूमिका अदा कर रहा है और विदेश में प्लास्टिक के लिए खासतौर से कृषि/सिंचाई क्षेत्र में थर्ड पार्टी निरीक्षण सेवायें प्रदान कर रहा है। सिपेट को राष्ट्रीय मान्यता परिषद प्रमाणन निकाय द्वारा टाइप-ए के रूप में मान्यता दी गई है। सिपेट सरकारी प्रबंधन के अंतर्गत चलने वाले उद्योगों का निरीक्षण करने के लिए अधिकृत है।

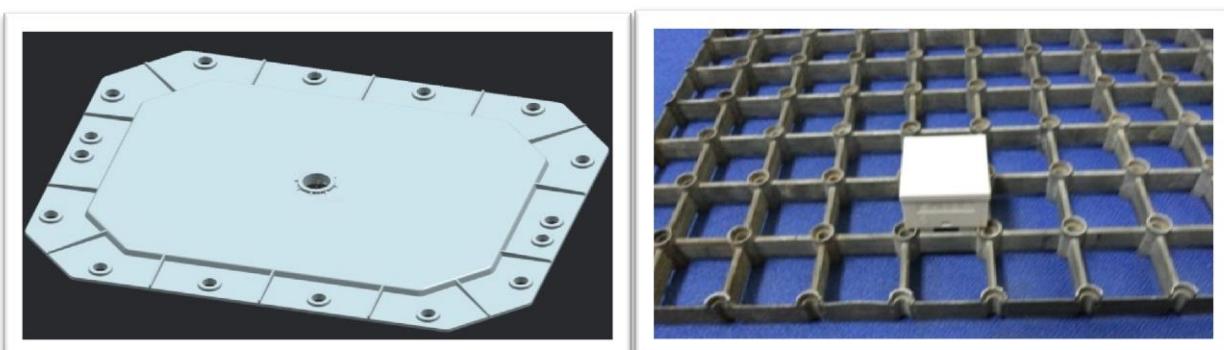
सिपेट ने कैड/कैम/कैई में आधुनिकतम डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर लगाए हैं। इसका टूल रूम आधुनिक मशीनों से सुसज्जित है ताकि छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके और उद्योगों में प्रौद्योगिकी सहयोग सेवायें प्रदान की जा सके।

इस समय के दरमियान कुल 45,692 तकनीकी सहयोग सेवाएं कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किये गये हैं।

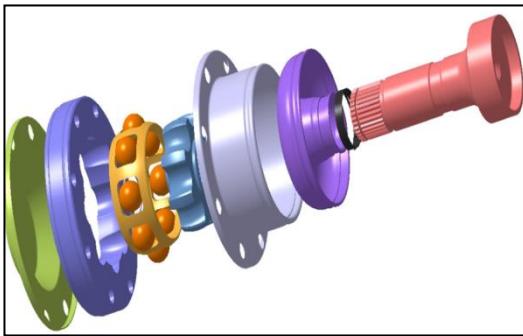
4.1 डिजाइन व टूलिंग

सिपेट विश्वस्तरीय तकनीकी सहयोग सेवाएं कैड/कैम/कैई के क्षेत्र में प्रदान करता है। सिपेट ने अपने ग्राहकों की डिजाइन व अभियांत्रिकी आवश्यकताओं की पूर्ति व उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ सर्वश्रेष्ठ समाधान दिए हैं। सभी सिपेट केंद्रों में डिजाइन व कैड/कैम/कैई विभाग अच्छी ढांचागत सुविधाओं से सुसज्जित हैं। अभियांत्रिकी ज्ञान व सॉफ्टवेयर कौशल और औद्योगिक अनुभव के संयोजन के आधार पर सिपेट विभिन्न प्रकार की उच्च सेवायें कैड/कैम/कैई में प्रदान करता है।

सिपेट के केन्द्रों पर टूलरूम विभाग सीएनसी मशीन से शुस्ज हैं एवं अपनी सुविधाएं जैसे व्यापारिक कार्य, मोल्ड फैब्रिकेशन, हाई प्रीसीजन मशीनिंग व स्तरीय मोल्ड आधार के उत्पादन कार्यों को विकसित किया हैं। मोल्ड फैब्रिकेशन के अलावा टूल रूम विभाग मोल्ड एवं डाई की मरम्मत करना, सीएनसी मशीनिंग, सीएनसी स्पार्क इरोजन, सीएनसी वायर कट, ग्राइंडिंग, ड्रिलिंग, डिजाइनिंग, जिग्स का विकास, फिक्स्चर टूल पार्ट्स इत्यादि दिये हैं। वर्ष 2014–15 के दौरान 1241 डिजाइन व टूलिंग कार्य लिए गए। कार्यों की चयनित सूची संलग्नक-3 में दी गई है।



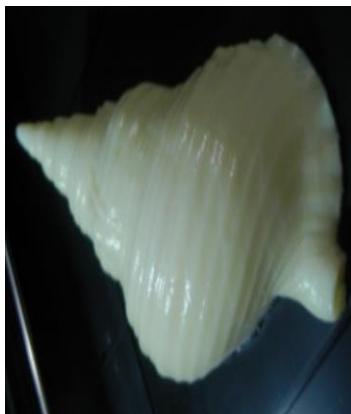
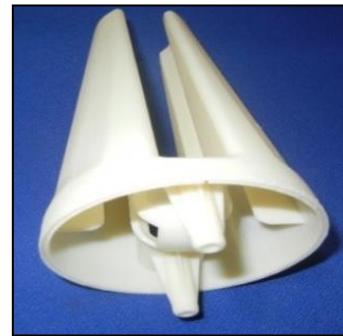
प्लास्टिक्स के पवन टरबाइन गियर बॉक्स के कवर का जीपीएस के प्रबंधन प्रणालियों के आधार पर ग्रिड निरीक्षण व डिजाइन एवं उसका विकास।



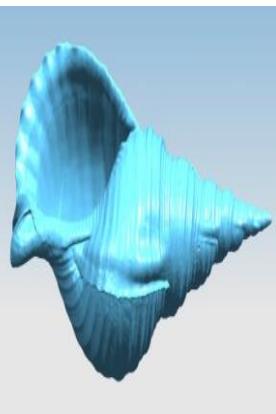
ड्राइव लाइन सॉफ्ट घटकों का डिजाइन



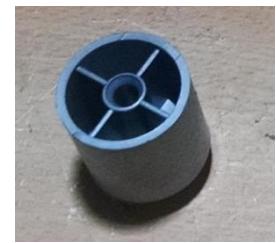
वैक्यूम क्लीनर की डिजाइन एवं प्रोटो विकास



शंख का डिजाइन एवं उसका विकास



मोल्ड का नाम



ग्राहक का नाम

: बड़े कनेक्टर के लिए 02 छाप इंजेक्शन मोल्ड

उत्पाद फंक्शन

: मेसर्स क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड, औरंगाबाद

ठूल सामग्री

: विधानसभा में लकड़ी आलमारी के रूप में प्रयुक्त

: हल्के स्टील एवं पी20 स्टील



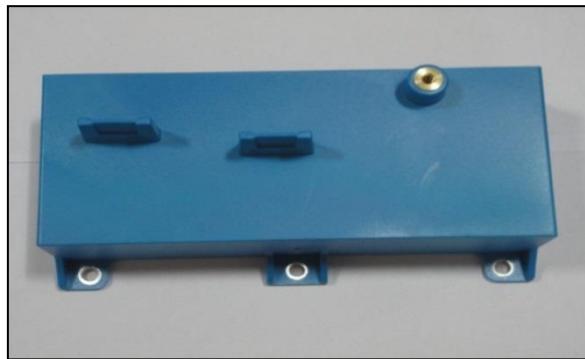
एनफिल्ड मोटर सायकल के लिए मूड फ्लेप, फ्रंट कवर, रीयर कवर, पेट्रोल टैंक, असेम्बली ब्लॉक एवं इंजन का डिजाइन एवं विकास

04 केव्हीटी टेक्सटाइल रोबिन मोल्ड का मेसर्स ओवेरोई, इलेक्ट्रोमेक, जलधार के लिए निर्माण।

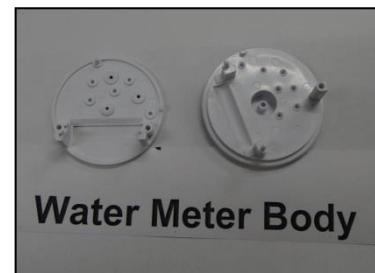
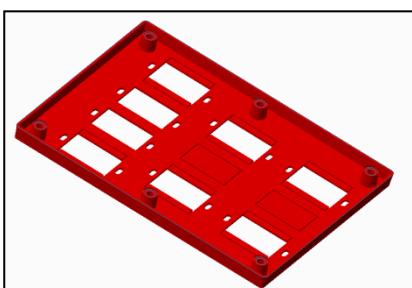
4.2 प्रसंस्करण

सिपेट केंद्रों में प्रसंस्करण विभाग विस्तृत सुविधाओं से सुसज्जित है। जैसे कि पारंपरिक प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीनरी, उन्नत माइक्रोप्रोसेसर नियंत्रित मशीन हैं एवं इसके लिए मोल्ड प्रोट्रिंग एवं मोल्डिंग जॉब वर्क किए जाते हैं।

वर्ष 2014–15 के दौरान 2376 प्रसंस्करण कार्य लिए गए। विवरण संलग्नक–04 में दिए जा रहे हैं।



- घटक का नाम : रिनॉल्ट के लिए प्रकरण
- उपयोग की गई सामग्री : पीसी–जीएफ (10%)
- उपयोग की गई मशीन : जेएसडब्ल्यू ऑल इलेक्ट्रिक इंजेक्शन मोल्डिंग 180 टन
- ग्राहक : मेसर्सं संजय टेक्नोलास्टर, प्राइवेट लिमिटेड, औरंगाबाद
- विवरण : इस घटक का प्रसंस्करण सिपेट औरंगाबाद में किया गया, इसमें छः इंसर्ट हैं जो इलेक्ट्रॉनिक सर्किट डिवाइस को कार में लगाये रखता है। इस मोल्ड में मुख्य पुल तंत्र है।



घटक का नाम : इलेक्ट्रिक पैनल का उपरी कवर/सामग्री : एचआईपीएस/ मोल्ड टाइप : सिंगल केवीटी इंजेक्शन मोल्ड, कैड औजार सीआरईओ (पीआरओ–ई)



टेराफिल जल फिल्टर – पीपीसीपी – इस उत्पाद का उपयोग पानी छानने के लिए किया जाता है,

बरतन ट्राली

4.3 परीक्षण

सिपेट के प्लास्टिक परीक्षण केंद्र उपकरणों से शुरू हैं और सर्वश्रेष्ठ परीक्षण, परामर्शी सेवायें प्लास्टिक उद्योग को देने हेतु अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। इस के लिए वे प्लास्टिक सामग्री/उत्पाद/कंपोजिट परीक्षण के संबंधित कार्य स्वीकार करते हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार पूरा करते हैं। पीटीसी पर उपलब्ध परीक्षण सुविधाएँ : करेक्टाराइजेशन लैब, मेकेनिकल लेबोरेटरी, थर्मलेबोरेटरी, इलेक्ट्रिकल लेबोरेटरी, ॲप्टिकल लेबोरेटरी, केमिकल लेबोरेटरी, रिओलोजी लैब और विशास्त परीक्षण सुविधाएँ चेन्नई में बायोडिग्रेडिबिलिटी की परीक्षण के लिए उपलब्ध हैं।

इमफाल को छोड़कर सभी सिपेट केंद्रों के प्लास्टिक परीक्षण सेंटर एनएबीएल – आईएसओ/आईईसी 17025 द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। वर्ष 2014–15, के दौरान करीब 19707 टेस्टिंग कार्य सभी सिपेट प्रयोगशालाओं द्वारा लिए गए। (देखें संलग्नक – 5)



यूपीवीसी पाइप्स, जल आपूर्ति एवं सफाई विभाग, पंजाब

बागवानी विभाग, पंजाब



एचडीपीई की लंबी चलने वाले कीटनाशक जाल का विकास एचआईएल के लिए

4.4 कैलिब्रेशन

लखनऊ स्थित सिपेट कैलिब्रेशन प्रयोगशाला आईएसओ/आईईसी : 17025 : 2005 के अनुसार एनएबीएल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह प्रयोगशाला वर्तमान में उत्पादन, अनुसंधान और विकास, टैस्टिंग और देशभर में अभियांत्रिकी संगठनों को गुणवत्ता यंत्र कैलिब्रेशन सेवा प्रदान करते हैं। सिपेट कैलिब्रेशन द्वारा उच्च परिशुद्धता, प्रशिक्षित कामगार व सख्त पर्यावरण परिस्थितियों का ध्यान रखा जाता है। अनेक प्रयोगशालाओं को कैलिब्रेशन सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं और स्थल व गैरस्थल कैलिब्रेशन कार्य इस केंद्र द्वारा किए जाते हैं।

4.5 प्री-डिलीवरी निरीक्षण (पीडीआई)

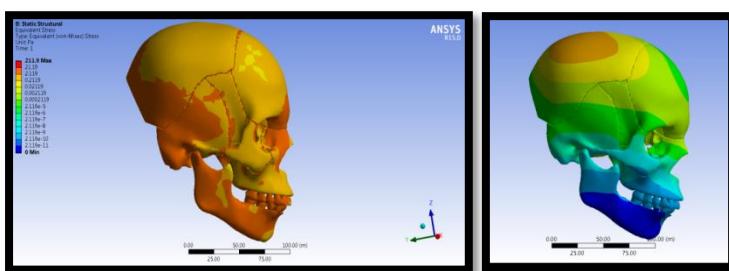
प्लास्टिक उत्पादों के लिए थर्ड पार्टी निरीक्षण संस्था के रूप में सिपेट की विशेषज्ञता को अनेक केंद्रीय व राज्य सरकार, संगठनों द्वारा प्री-डिस्पैच/डिलीवरी निरीक्षण और डिलीवरी के बाद प्लास्टिक और एलाइड उत्पादों के निरीक्षण हेतु मान्यता मिली हुई है। सिपेट पीडीआई को राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड प्रमाणन निकाय (एनएबीसीवी) द्वारा आईएसओ/आईईसी-17020 (सामान्य वर्ग के अनेक प्रकार के निकाय निरीक्षण) के अनुसार मान्यता प्राप्त है। एक प्रकार की निरीक्षण संस्था के रूप में सिपेट को 23 उत्पादों के लिए निरीक्षण हेतु अधिकृत किया गया है। वर्ष 2014–15 के दौरान करीब 5046 पीडीआई कार्य देश के बाहर के देशों के प्रतिष्ठित उद्योगों द्वारा सरकारी संगठनों के नाम पर प्राप्त हुए।

4.6 परामर्श

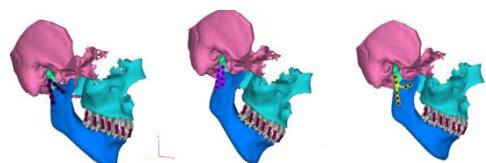
प्लास्टिक उद्योगों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार सिपेट ने दीर्घकालिक और लघुकालिक आधार पर अनेक परामर्श कार्य स्वीकार किए। ये सेवाएं उद्योगों को तकनीकी कर्मचारीयों को देकर दी गई ताकि ये मौके पर ही समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कर सकें। परामर्श सेवाओं के मुख्य क्षेत्र निम्न हैं :—

- नए उत्पादों हेतु सामग्री चुनाव
- टूल रूम, प्रोसेसिंग इकाई/निरीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना
- प्रेसेस औप्टीमाइजेशन व फार्मुलेशन डवलपमेंट
- विश्लेषण, चरित्र चित्रण और सामग्री व उत्पाद का विस्तृत विकास
- मुख्य परियोजनाओं हेतु विशेष परामर्श
- तकनीकी पहलुओं पर प्लास्टिक क्षेत्र सर्वेक्षण

इस वर्ष 2014–15 के दौरान सिपेट केन्द्र द्वारा चयनित 1093 आवेदन परामर्श/विकास के लिए किए गए कार्य की सूची संलग्नक-6 में दी जा रही है।



मानव खोपड़ी में संरोधक तनाव वितरण हेतु दो अलग-अलग अग्रदाढ़ निष्कर्षण सांचा, मेसर्स राधास डेंटल कॉलेज



संरोध तनाव वितरण का टीएमजी के साथ विभिन्न जबड़े स्थूलक फ्रेक्चर

4.7 भारत में प्लास्टिक उत्पादन विकास हेतु यूनिडो-आईकैम्ट भारत परियोजना पर राष्ट्रीय कार्यक्रम

भारत में प्लास्टिक उत्पाद विकास हेतु यूनिडो-आईकैम्ट परियोजना पर राष्ट्रीय कार्यक्रम को (१) भारत सरकार के आईपीपी विभाग (२) भारत सरकार के सी एंड पीसी विभाग (३) यूनिडो द्वारा प्रायोजित किये गये परियोजना पर 1,300,000 अमरीकी डॉलर का खर्च आएगा। यह परियोजना सक्रिय रूप से लागू होने की स्थिति में है। इस कार्यक्रम में 100 प्लास्टिक इकाईयों को चिह्नित किया गया है जो चेन्नई, गुजरात, एनसीआर दिल्ली, मुंबई और भुवनेश्वर (प्रत्येक स्थान पर 20 इकाईयाँ) में होंगी। यूनिडो ने प्रत्येक राष्ट्रीय परामर्शदाता हर समूह के लिए नियुक्त किया है। इस समयावधि के दरमियान बजट पर यूनिडो-आई कैम्ट और सिपेट के बीच सहमति बन गयी है। भारत में बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक से सम्बंधित अध्ययन रिपोर्ट का पुर्णआंकलन कर लिया गया है और इसे यूनिडो को सौंप दिया गया है। दो अनुसन्धान व विकास केन्द्रों के लिए उपकरण खरीदे जाएंगे जो सिपेट चेन्नई और सिपेट भुवनेश्वर में स्थित हैं। उपकरण खरीदने का कार्य मार्च 2015 तक पूरा कर लिया जायेगा।

5. अनुसंधान एवं विकास

एक वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केन्द्र बनने के लिए एवं नये अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ बने रहने के लिए सिपेट ने दो अति विशेष अनुसंधान एवं विकास केन्द्रों की स्थापना की है अनुसंधान व विकास विभाग एडवांस्ड रिसर्च स्कूल फॉर टेक्नोलॉजी एंड प्रोडक्ट सिमुलेशन (एआरएसटीपीएस) सिपेट चेन्नई व लेबोरेटरी फॉर एंडवांस्ड रिसर्च इन पॉलिमेरिक मटेरियल (एलएआरपीएम) सिपेट भुवनेश्वर में स्थापित किए गए हैं। यह प्रयोगशालायें इन वर्षों में आत्मनिर्भर बन गई हैं और संयुक्त अनुसंधान उपक्रम के माध्यम से विश्वविद्यालयों के साथ एवं साथ ही साथ उद्योगों से मैत्रीपूर्ण व आवश्यक माहौल बनाया है। प्रयोगशालाओं ने तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास व बदलाव के अनुसार खुद को ढाला है व नवीन पद्धति को अपनाया है एवं साथ ही साथ नई खोज भी की है।

विशेषज्ञता :

- सिंथेसिस ऑफ इको फ्रेंडली पॉलीमर्स
- कंपोजिट्स एंड नैनोकम्पोसिट्स
- पॉलिमर एनालिसिस एंड कैरक्टराइजेशन
- डेवलपमेंट ऑफ कार्बन ननोटीयूब्स ऑफ हाई प्यूरिटी
- फंक्शनाईजेशन ऑफ फिलर्स
- कंडक्टिंग पॉलीमर्स एंड देयर एप्लिकेशन्स
- एनेर्जिक स्टोरेज एंड सेंसर्स
- रिवर्स इंजीनियरिंग एंड एनालिसिस
- रैपिड प्रोटोटाइप ऑफ कंपोनेंट्स
- डिजाइन एंड सिमुलेशन टेक्निक्स

वर्तमान अनुसंधान – एक झलक

- बाय एस्फेयरिक लेन्स अप्रत्यक्ष ऑथेल्मोस्कोपिक हेतु : तकनीक द्वारा बाय एस्फेयरिक लेंस विकसित किया गया है। इस तकनीक से संतुलन शक्ति विसंगतियों के सुधार और दृष्टि वैशम्य के सुधार हेतु पतली, हल्के वजन के लेंस का उत्पादन होगा।
- हरी परिवहन नेटवर्क पर उत्कृष्टता के केंद्र : कृषि अपशिष्ट जैसे पॉलिमेरिक मैट्रिक्स का उपयोग प्राकृतिक फाइबर के रूप में ऑटोमोबाइल अनुप्रयोगों के लिए पेट्रोलियम आधारित फीड स्टॉक के लिए एक संभावित विकल्प हो सकता है। इस COE से वांछित विशेषताओं के साथ सामग्री के रूप में बेहतर व हल्के वजन के ईंधन कुशल कंपोजिट पैदा होंगे और कार्बन कम होगा।
- उच्च कोटि ओलिगोमर का संश्लेषण : उच्च कोटि ओलिगोमर का निर्माण विमान में ईंधन रिसाव का पता लगाने के लिए कर रहे हैं।
- ऑटोमोबाइल अनुप्रयोगों के लिए जैव आधारित कंपोजिट : सूक्ष्म तंतु प्रबलित पोलियोलेफिन्स से स्थायी ऑटोमोबाइल घटकों के उपयोग में खनिज भराव पॉलिमर को एक कारगर विकल्प के रूप में विकसित कर रहे हैं। जिससे ईंधन दक्षता में वृद्धि व ऑटो हिस्से के वजन को कम करने में सहायता मिलेगी।

- इलेक्ट्रॉनिक कचरे की रिसाइकिलिंग : खरपतवार के खतरे से मूल्य वर्धित उत्पादों की प्लास्टिक कचरे और विकास के अलगाव के माध्यम से संबोधित किया है। उनकी विषाक्तता, आदि के प्रसंस्करण के दौरान विषाक्त गैसों के विकास के बारे में विस्तार से मूल्यांकन कर रहे हैं।
- ईंधन की कोशिकाओं के लिए बहुलक इलेक्ट्रोलाइट ड्जिल्ली : उपन्यास बहुलक ड्जिल्ली का विकास कम और मध्यम तापमान पर ईंधन कोशिकाओं और ईंधन सेल के अध्ययन व उनकी सेवा के प्रदर्शन के बारे में विस्तृत जांच के लिए विकाति किया है।
- स्थायी हरित सामग्री पर उत्कृष्टता के केंद्र : सब्जी/पौधे के तेलों के संभावित पर्यावरण के अनुकूल पॉलिमर और अंतर मर्मज्ञ नेटवर्क पैदा करने के लिए पता लगाया जा रहा है। कोटिंग्स और चिपकरने के रूप में उनपे विस्तार से जांच कर रहे हैं। इसके अलावा, रीसाइकिलिंग प्लास्टिक कचरे को पर्यावरण अनुकूल करने की तकनीक का भी बड़े पैमाने पर अध्ययन किया जा रहा है।



विशेषज्ञ समिति सदस्य, विश्वविद्यालय कनाडा ने पंजीकृत शोध छात्रों के पीएचडी कार्य प्रगति की समीक्षा करने के लिए सिपेट का दौरा दिनांक 06.08.2014 को किया।



6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-एडवांस इन पॉलीमर मटेरियल (एपीएम-2015) “बहुसामग्री के साथ स्मार्ट उत्पाद डिजाइन और विकास की ओर अग्रसर”

6. कार्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारियाँ

सिपेट समाज के कमजोर वर्गों जैसे कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के युवाओं और विशेष रूप से उत्तर पूर्वी क्षेत्र एवं वंचितों से समाज में एक बेहतर जीवन जीने के लिए तथा सामाजिक स्थिति में सुधार करने के लिए उनके ज्ञान को उन्नत करने के साथ-साथ स्वयं रोजगार प्राप्त करने के अवसर भी प्रदान करता है। इस संबंध में सिपेट राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की सहायता से प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम चलाता है। विभिन्न पद्धतियों द्वारा लोगों में प्लास्टिक के क्षेत्र में नवीनतम प्रौद्योगिकी विकास एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैलाता है।

6.1 प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन हमारे देश में एक सामाजिक मुद्दा है। इस मुद्दे को रोकने के लिए सिपेट प्लास्टिक कचरा प्रबंधन विषय पर सिपेट देश के विभिन्न हिस्सों में सेमिनार, सम्मेलनों की शृंखला आयोजित कर रहा है ताकि लोगों को इस समस्या के अनेक तथ्यों की जानकारी देकर जाग्रत किया जा सके। वर्ष 2014–15 के दौरान इस तरह के सेमिनार विजयवाड़ा, जयपुर, शिरषी एवं कोच्चि में आयोजित किये गए जिन से 12,000 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

- ❖ तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन 28 अगस्त 2014 को विजयवाड़ा में प्लास्टिक के बारे में जागरूकता पैदा करना, प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण पर आयोजित किया गया। इस समारोह का उद्घाटन श्री इंद्रजीत पाल, सचिव, रसायन एवं पेट्रोरसायन, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने श्री सी. हरि किरण, भा.प्र.स., आयुक्त विजयवाड़ा नगर निगम, श्रीमती उषा कुमारी, भा.प्र.स., उपाध्यक्ष, बीजीटीएम-शहरी विकास प्राधिकरण, श्री एम. रघुनाथन राव, भा.प्र.स. जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट, कृष्णा जिला एवं प्रो. (डॉ.) एस.के. नायक, महानिदेशक, सिपेट की उपस्थिति में किया गया।



- ❖ तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन 13 से 15 नवम्बर 2014 को शिरसी में प्लास्टिक के बारे में जागरूकता पैदा करना, प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण पर आयोजित किया गया। इस समारोह का उद्घाटन माननीय मंत्री श्री अंतत कुमार जी, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, श्री श्रीमान जगदगुरु शंकराचार्य, श्री सोंडा सोरनावली स्वामीजी की अध्यक्षा में हुआ। श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, एमएलए, सिरसी, निर्वाचन क्षेत्र, प्रो. (डॉ.) एस.के. नायक, महानिदेशक, सिपेट एवं डॉ. टी.व्ही. रामाचंद्रन, इंडियन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस की उपस्थिति में हुआ। इस उद्घाटन समारोह के दरिमयान प्लास्टिक एवं वातावरण (कनाडा भाषा) विषय पर एक किताब माननीय मंत्री श्री रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी की गई।



- ❖ तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन 19 दिसम्बर 2014 को जयपुर में प्लास्टिक के बारे में जागरूकता पैदा करना, प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण पर आयोजित किया गया। इस समारोह का उद्घाटन श्री अविनाश जोशी, भा.प्र.स. संयुक्त सचिव, (पीसी), रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने किया साथ ही सभी को संबोधित भी किया।



- ❖ एक दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन 31 जनवरी 2015 को प्लास्टिक के बारे में जागरूकता पैदा करना, प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण विषय पर होटल जेम पार्क, ऊटी, शेडोन रोड, उदागमउडालाम, शनिवार के दिन रखा गया, जिसका उद्घाटन श्री सुरजीत के. चौधरी, भा.प्र.स. सचिव, (सीएंडपीसी), भारत सरकार ने किया।



तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन 13.02.2015 को प्लास्टिक के बारे में जागरूकता पैदा करना, प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण विषय पर औरंगाबाद में किया गया, श्री प्रकाश महाजन, भा.प्र.से. आयुक्त नगर निगम, औरंगाबाद एवं उद्योग संगठनों के महानुभाव, सरकारी अधिकारी, एमआईडीसी अधिकारी, नगर निगम, उद्योगों के गणमान्य व्यक्ति, हेल्थ अधिकारी, एनजीओ इत्यादि संगोष्ठियों में उपस्थित थे।



प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर एक बुद्धिशीलता सत्र दिनांक 04 सितंबर 2014 को सिपेट इम्फ़ाल में सरकारी संगठनों के अधिकारियों, उद्योगों एवं एनजीओ के लिए आयोजित किया गया।



7. सिपेट केन्द्र (परियोजना चरण)

अ) परियोजना संपन्न

7.1 एडवांस्ड टूलींग एंड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेंटर (एटीपीडीसी), मदुरै

एडवांस्ड टूलींग एंड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स डेवलपमेंट सेंटर (एटीपीडीसी), मदुरै जो की सिपेट चेन्नई की एक इकाई है के नए प्रांगण का निर्माण कार्य आखिरी चरण में है। इस निर्माण पर 24.80 करोड़ रुपये व्यय होंगे जो भारत सरकार और तमिलनाडु सरकार द्वारा बराबर बराबर साझा किये जाएंगे। संस्थागत ब्लॉक और लड़कों के छात्रावास के लिए नए परिसर का निर्माण पूरा कर लिया गया है और केन्द्र 29 जून 2015 के पश्चात से नए परिसर में आरंभ हो जायेगा।

ब) परियोजना कार्य उन्नत

7.2 सेंटर फॉर बायोपोलीमेर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (सीबीपीएसटी) कोच्चि

बायोपोलीमेर साइंस एंड टेक्नोलॉजी केंद्र मैसर्स एफएसीटी प्रांगण, उद्योग मंडल कोच्चि में स्थापित किया। इसकी कुल लागत 24.90 करोड़ रुपये हैं जो अस्थायी स्थान पर कार्य कर रहा है। सीबीपीएसटी 02 वर्षीय एम.एससी बायोपोलीमेर साइंस व पी.एचडी पाठ्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोचीन के सहयोग से चला रहा है एवं इसकी क्षमता 40 छात्रों की है। राज्य सरकार केन्द्र के लिए स्थाई भवनों के निर्माण के लिए भूमि आबंटित करने की प्रक्रिया में है।

7.3 व्यावसायिक विकास केन्द्र (एसडीसी), बालेश्वर, उड़ीसा

एपीपीटीसी बालेश्वर में कौशल विकास केन्द्र की स्थापना के लिए एपीपीटीसी बालेश्वर ने ओडिसा सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था साथ ही 10 करोड़ रुपये का अनुरोध व 5 एकड़ जमीन आबंटन के लिए किया था, जिसकी ओडीसा सरकार ने मुख्य रूप से मंजूरी भी प्रदान कर दी है। कौशल विकास केन्द्र की स्थापना के लिए जमीन का आबंटन किया जा चुका है साथ ही एजेंसी को क्रियान्वित करने के चयन को अंतिम रूप दिया है एवं अन्य दूसरी गतिविधियां की जा रही हैं। प्रस्तावित केन्द्र में प्रतिवर्ष 1000 से 2000 प्रशिक्षुओं को प्लास्टिक प्रसस्करण और इसके सबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न लघु अवधि कौशल उन्मुख पाठ्यक्रम दिये जायेंगे।

7.4 रुद्राम, जिला मेढक (तेलंगाना) में उच्च शिक्षा /व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

मेढक (तेलंगाना) में उच्च शिक्षा केन्द्र-सह-व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना के लिए सिपेट पहले से ही हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन लिमिटेड (एचएफएल) से 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर चुका है। इस संबंध में एक परियोजना प्रस्ताव प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, तेलंगाना सरकार को दिनांक 23.03.2015 को प्रस्तुत की गई है जिसमें सिपेट-एचएलसी की स्थापना हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन लिमिटेड (एचएफएल), रुद्राम मेढक, जिला हैदराबाद की जमीन पर प्रस्तावित है। इस विषय में सक्रिय रूप से प्रस्ताव के प्रारंभिक मंजूरी के लिए कार्य किया जा रहा है इसके साथ ही कार्यक्रमों की मंजूरी के लिए सिपेट राज्य सरकार के विभिन्न विभागों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है।

7.5 अन्य प्रशिक्षण केन्द्र, विजयवाड़ा (आंध्रप्रदेश)

आंध्रप्रदेश सरकार ने विजयवाड़ा में सिपेट केन्द्र की स्थापना के लिए 15 एकड़ भूमि आबंटित करने की सैद्धांतिक सहमति पत्र 16.03.2015 को प्रदान की है, इस संबंध में सिपेट केन्द्र की स्थापना के लिए सिपेट ने उचित जगह की पहचान विजयवाड़ा विभाजन यानी इब्राहिम पत्तनम में की है, इस संबंध में आवेदन संयुक्त कलेक्टर, कृष्णा जिले को प्रस्तुत किया गया है जो कि प्रक्रिया में है ऐसी उम्मीद की जा रही है कि भूमि का अधिग्रहण शीघ्र ही सिपेट को मिल जायेगा। इस बीच कौशल विकास कार्यक्रमों के तत्काल प्रारंभ के लिए सिपेट ने आम क्रिटिकल मशीनरी और आम परीक्षण केन्द्र मेसर्स विजयवाड़ा ऑटो कल्चर डेवलमेंट कंपनी लिमिटेड, जे. ऑटो नगर, विजयवाड़ा में चयनित कर ली है साथ ही अनुवर्ती कार्रवाई के लिए योग्य प्रयास किये जा रहे हैं।

7.6 वोकेशनल ट्रेनिंग केन्द्र, धरमपुर, बलसाड़ (गुजरात)

अनुसूचित जनजाति के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र रूपये 31.77 करोड़ की लागत से राज्य सरकार की सहायता से धरमपुर, बलसाड़, गुजरात में स्थापित किया जा रहा है एवं सक्रिय रूप से राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाया हुआ है। इस दरमियान तुरंत व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र किराये के आवास में एनएच-8 धरमपुर, चोकहांडी, अटाक पारदी, बलसाड़ में ले लिया गया है। साथ ही प्रशिक्षण कार्य शुरू करने के लिए अहमदाबाद केन्द्र से श्रमशक्ति स्थानांतरित की जा चुकी है। सिपेट अहमदाबाद केन्द्र से चयनित मशीनरी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, बलसाड़ में स्थानांतरित की जायेगी।

प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण प्रौद्योगिकी (पीपीएमटी) कार्यक्रम के लिए छात्रों का चयन किया जा चुका है तथा मई माह से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है इसके अलावा गुजरात राज्य सरकार के साथ एक सहमति पत्र वर्ष 2015–16 में लक्षित 2000 उम्मीदवार को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हस्ताक्षर किये गये हैं। इस प्रशिक्षण में 900 आदिवासी युवाओं का लक्ष्य भी शामिल है।

7.7 वोकेशनल ट्रेनिंग केन्द्र, बद्दी (हिमाचल प्रदेश)

रूपये 40.10 करोड़ की परियोजना लागत पर व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना बद्दी, हिमाचल प्रदेश में करने के लिए राज्य सरकार व भारत सरकार के बीच 50:50 प्रतिशत के साझा आधार पर किया है एवं सक्रिय रूप से स्थापना करने के प्रयास किये जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार ने 7 एकड़ जमीन का स्थानांतरण तकनीकी शिक्षा विभाग, हिमाचल को कर दिया है साथ ही वित्तीय वर्ष 2014–15 में रूपये 1.00 करोड़ का बजट प्रावधान परियोजना की स्थापना के लिए किया गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सिपेट वीटीसी की भूमि की स्थानांतरण व अधिकार के लिए आवेदन, मुख्य सचिव (टीई), हिमाचल प्रदेश को प्रस्तुत किया है। भूमि आबंटन सिपेट को 99 साल के लिए लीज पर लागत मुक्त एवं पट्टा राशि माफ या 1/- रूपये के नाममात्र प्रीमियम में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है क्योंकि यह परियोजना राज्य की वृद्धि और विकास के लगायी जा रही है। मुख्य सचिव आयुर्वेद एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश ने सूचित किया है कि सिपेट का अनुरोध कैबिनेट की मंजूरी के लिए रखा जायेगा।

इसके अलावा तुरंत व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए सिपेट ने 10/- रूपये प्रति वर्ग फुट की लाइसेंस फीस में एक वर्ष की अवधि के लिए बद्दी इंफ्रास्टक्वर से दो क्लास रूम व बीटीटीआई की एक कार्यशाला से मिलकर 5040 वर्गफुट का आवास किराये में लिया है। अपेक्षित मशीनरी इस स्थाई परिसर में स्थानांतरित कर दी गई है एवं श्रमशक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त की गई है।

एक बार सुविधायें उपलब्ध हो जाने के पश्चात् एसडीआई के वीटीसी कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्राथमिकता के आधार पंजीकरण की प्रक्रिया डीजीईटी तहत की जायेगी तथा अन्य प्रायोजित और गैरप्रायोजित कार्यक्रमों को प्राप्त करने के लिए कार्यवाही की जायेगी।

यह वर्ष 2015–16 के दौरान वीटीसी बद्दी में 3000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है।

7.8 वोकेशनल ट्रेनिंग केन्द्र, भोपाल

भोपाल में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, मध्यप्रदेश की स्थापना के लिए कुल 40.10 करोड़ की लागत का एक प्रस्ताव राज्य एवं केन्द्र सरकार को दिया गया है जो कि 50:50 प्रतिशत के आधार पर राज्य व केन्द्र सरकार के बीच साझा लागत पर तैयार होगा। मध्यप्रदेश सरकार ने मुफ्त में 10 एकड़ भूमि का आबंटन, सेमेरा गांव, गोविन्दपुरा, औद्योगिक क्षेत्र में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र लगाने हेतु दिया है। जिला उद्योग केन्द्र (डीआईसी) से भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया प्रगति पर है इस वर्ष 2015–16 के दौरान व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल के द्वारा 2500 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

8.1 संकाय विकास कार्यक्रम

कर्मचारियों की क्षमता व उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए सिपेट अपने कर्मचारियों व अधिकारीयों को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण दे रहा है। जैसे एनबीएल, लीन सिक्स सिग्मा एंड 5 एस एंड आईएसओ 9001.

- सिपेट लगातार बातचीत और सहयोग के द्वारा प्रमुख शैक्षणिक/शैक्षिक संस्थाओं एवं दुनिया के विख्यात विश्वविद्यालयों के साथ मजबूत/अकादमिक उत्कृष्टता एवं शिक्षण संकाय विनियम कार्यक्रम कर रहा है। सिपेट चेन्नै परिसर में पूर्ण मानव संसाधन विकास केन्द्र की स्थापना की गई है जिसमें आंतरिक संकाय एवं बाह्य ग्राहकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय के कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।
- विशेष व्याख्यान वीडियो कॉफ्रेसिंग के द्वारा श्री जॉन बॉइसेव (से.नि. बी.ए.एस.एफ. यू.एस.ए.) और क्यू—लैब कार्पोरेशन यू.एस.ए. ने दिनांक 10 सितम्बर, 2014 को “रिसेंट इवोल्यूशन ऑफ स्टंडर्ड्स इन बेदरिंग, द टेस्टिंग नीडएंड रिकायरमेंट इन दी पॉलीमर एंड कोटिंग इंडस्ट्रीज” विषय पर सिपेट चेन्नै में सुबह 10.00 बजे आयोजित हुआ।



- 05 एस एवं काइजन तकनीकी पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 01 से 05 अगस्त 2014 तक सिपेट औरंगाबाद कर्मचारीगणों के लिए किया गया।

8.2 सर्तकता गतिविधियाँ

मुख्य सतर्कता अधिकारी (आंतरिक), सिपेट मुख्यालय के नेतृत्व में सतर्कता व्यवस्था सिपेट में स्थापित की है एवं मुख्य सर्तकता अधिकारी (आंतरिक) प्रशासनिक मंत्रालय में मुख्य सर्तकता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं, प्रत्येक सिपेट केन्द्र में सतर्कता अधिकारी नियुक्त हैं। समय—समय पर सतर्कता रिपोर्ट केन्द्रों से एकत्र कर और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) को भेजी जाती हैं। सतर्कता जागरूकता सप्ताह सभी सिपेट केन्द्रों में आयोजित किया जाता है।

सभी सिपेट केन्द्रों पर योजनाबद्ध तरीके से सतर्कता निरीक्षण, परीक्षण, क्रय, लेखा, प्रसंस्करण, औजार कक्ष परीक्षण इत्यादि क्षेत्र में किये जाते हैं। संपत्ति विवरण, जॉब रोटेशन और अन्य निवारक सतर्कता कार्यों की समीक्षा निश्चित समय अंतराल में मुख्यालय एवं केन्द्र स्तर पर की जाती है।

8.3 स्वच्छ भारत अभियान

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के दौरान गांधी जी के सपने को साकार करने के लिए एक जन आंदोलन के रूप में स्वच्छ भारत के लिए राष्ट्रीय आहवान किया, सिपेट ने गहनता से इस राष्ट्रीय सफाई की शुरूआत 25 सितंबर 2014 से की।
- सिपेट में इस कार्यक्रम को सिपेट स्वच्छ भारत अभियान नाम दिया गया एवं इसमें विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन 02 अक्टूबर 2014 से संपूर्ण भारत वर्ष में स्थापित सिपेट केन्द्रों के द्वारा कार्यान्वित हुए।
- नियमित रूप से स्वच्छ भारत मिशन के संचालन के लिए सिपेट परिसर में एवं आस—पास के स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियां प्रति सप्ताह 02 से 03 घंटे का आयोजन अधिकारी, संकाय एवं कर्मचारीगण की सहायता से किया जाता है।
- प्रत्येक सिपेट केन्द्र ने एक गांव/कॉलोनी को सफाई अभियान के अंतर्गत सफाई करने के लिए दत्तक लिया है, सफाई कार्यक्रमों के दरमियान भाषण, प्रेजेंटेशन, नाटक, प्रदर्शनी पोस्टर, स्टीकर, बैनर एवं डस्टबीन वितरण अलग—अलग अवशिष्ट प्रबंधन के अनुसार किये गये। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सिपेट ने लगभग 30 रैलियां एवं रोड शो का आयोजन किया गया।



बालिकाओं के लिए शौचालय का निर्माण :

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार सिपेट ने देश भर में 25 बालक एवं बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण की प्रतिबद्धता ली है। सिपेट ने सूचीबद्ध स्कूलों की पहचान की है जिन स्कूलों में शौचालय नहीं है एवं उसके अनुसार शौचालय के निर्माण के लिए गतिविधियां शुरू कर दी हैं।

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए शौचालय निर्माण :

सिपेट केन्द्र हाजीपुर विशेष रूप से स्वच्छ भारत मिशन के बैनर तले शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए एक अलग से शौचालय का निर्माण कर रहा है।

मेक इन इंडिया :

महानिदेशक सिपेट एवं मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ **मेक इन इंडिया** (सरकार की एक नई पहल) विषय पर बैठक में भाग लिया तथा माननीय मंत्री (सी एंड एफ) एवं माननीय प्रधानमंत्री को सिपेट की गतिविधियों से दिनांक 29.12.2014 के दिन अवगत कराया। भारत की नई पहल के तहत परिकल्पना की नई परियोजनाओं के अनुसार विभाग सी एंड पीसी के द्वारा, महानिदेशक सिपेट एवं निदेशक (पीसी) मेसर्स हिंदुस्तान एरोनोटिस लिमिटेड (एचएल), बैंगलूरू में दिनांक 28.01.2015 को ग्लास के स्वदेशी विकास को अंतिम रूप देने, कार्बन प्रैपेजेस एवं हेडेस्यू बनाने हेतु मुलाकात की गई। इसके अलावा मेसर्स बोइंग कंपनी और मेसर्स ई-पारीसारा, प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर को 29.01.2015 को मुलाकात की।

9. कल्याणकारी प्रयास

- ❖ कर्मचारियों की क्षमता व उनके ज्ञान को उन्नत करने के लिए सिपेट अपने कर्मचारियों व अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रशिक्षण दे रहा है। जैसे एनबीएल, लीन सिक्स सिग्मा एंड 5 एस एंड आईएसओ 9001। इस सम्बन्ध में वह संकाय विनिमय भी करता है सिपेट के संकाय सदस्यों को सेमिनार/सम्मेलनों/उपकरण प्रशिक्षण हेतु विदेश भेजा जाता है। वे प्रदर्शनियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपना ज्ञान व कौशल विकास हेतु उन्नयन करते हैं।



10. सिपेट के सभी केन्द्रों में राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन

- ❖ राजभाषा नीति के अनुसार मुख्यालय स्तर पर प्रशासन विभाग के माध्यम से राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर नजर रखी जाती है। अप्रशिक्षित कर्मचारियों को हिंदी के प्रशिक्षण के लिए उत्साहित किया जाता है और उन्हें हिंदी अध्यापन योजना के माध्यम से हिंदी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।
- ❖ सिपेट प्रधान कार्यालय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति चेन्नै का एक सदस्य है, जो भारत की राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्यरत है। टोलिक की भागीदारी से सिपेट राजभाषा नीति नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलती है।
- ❖ हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा सिपेट प्रधान कार्यालय और सिपेट केन्द्रों पर आयोजित किया जाता है जिसमें अधिकारीगण/कर्मचारीगण/विद्यार्थीगण विभिन्न प्रतिभागियों में भाग लेते हैं।
- ❖ संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति ने सिपेट मैसूर केन्द्र का राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण दिनांक 16 जनवरी 2015 को तथा 06 फरवरी 2015 को सिपेट जयपुर का किया।
- ❖ इसके अलावा भी संसदीय राजभाषा की पहली उपसमिति ने सिपेट केन्द्र इम्फाल का राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण 15 अप्रैल 2015 को किया। संसदीय समिति ने राजभाषा की अच्छी प्रगति का उल्लेख करते हुए सिपेट केन्द्र मैसूर, जयपुर एवं इम्फाल में हिंदी में किये गये कार्यों की प्रशंसा की।
- ❖ सिपेट कैम्पस-II हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 14 से 29 सितंबर तक आयोजित किया, इस कार्यक्रम के दरमियान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगणों के लिए किया गया, प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।



- ❖ हिन्दी दिवस 14.09.2014 को सिपेट भुवनेश्वर में आयोजित किया गया एवं प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गये।

11. प्रमुख व्यक्तियों के दौरे/प्रतिनिधिमंडल व अन्य बैठकें

सिपेट के 113वें संचालन परिषद की बैठक श्री सुरजीत कुमार चौधरी, भा.प्र.से. सचिव रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 19.02.2015 को बैंगलोर में आयोजित की गई।



श्री राजीव यादव, आईएएस, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने सिपेट औरंगाबाद के प्रदर्शन और प्रगति की समीक्षा के लिए दिनांक 13 व 14 जून को दौरा किया।



सुश्री नीता चौधरी, सचिव (राजभाषा), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सिपेट औरंगाबाद का दौरा दिनांक 15.09.2014 को किया।





श्री डिटमार हैन, वरिष्ठ सलाहकार, संस्थान व्यावसायिक प्रशिक्षण, श्रम बाजार और सामाजिक नीति, जर्मनी ने सिपेट औरंगाबाद का दिनांक 02.04.2015 को दौरा किया।



श्री पी.के. दास, भा.प्र.से. अपर मुख्य सचिव, वाणिज्य उद्योग एवं रोजगार विभाग, म.प्र. सरकार ने सिपेट भोपाल के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन दिनांक 05.04.2014 को किया।



श्री सुरजीत कुमार चौधरी, भा.प्र.से. सचिव (सी एंड पीसी), रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने सिपेट चेन्नै का दौरा दिनांक 21.01.2015 को किया एवं केन्द्र के गतिविधियों की समीक्षा की।



श्री अनंत कुमार, माननीय मंत्री रसायन एवं उर्वरक, भारत सरकार द्वारा छात्रों के लिए 500 बेड एवं छात्राओं के लिए 100 बेड के छात्रावास का शिलान्यास श्री ओ.पी. धनकर, कृषि मंत्रालय, राज्य की उपस्थिति में 20 जनवरी 2015 को किया गया।

श्री सुरजीत कुमार चौधरी, भा.प्र.से. सचिव (सी एंड पीसी), रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने सिपेट गुवाहाटी का दौरा दिनांक 17.10.2014 को किया एवं केन्द्र के गतिविधियों की समीक्षा की।



डॉ. थ. मुनिन्द्रों सिंह, निदेशक, योजना विभाग, मणिपुर सरकार और श्री एन.एन. कौशिंग, अतिरिक्त उपायुक्त, चंदेल मणिपुर, ने सिपेट इम्फाल का दौरा दिनांक 20 मार्च 2015 को किया एवं उसकी सुविधाओं व गतिविधियों की समीक्षा की।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग कल्याण समिति, विधानसभा ओडिशा ने दिनांक 12.09.2014 को उच्च शिक्षण केन्द्र, सिपेट भुवनेश्वर का मुआयना किया।



- ❖ रसायन एवं उर्वरक संबंधी स्थाई समिति ने दिनांक 08 जनवरी 2015 को सिपेट केन्द्र हैदराबाद का दौरा किया एवं केन्द्र की गतिविधियों की समीक्षा की।
- ❖ सिपेट मुख्यालय ने खरीद की गतिविधियों के प्रति ई-निविदा/ई-प्रोक्योरमेंट जनवरी 2015 से लागू किया यह सेवा मेसर्स कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास लिमिटेड (केओनिक्स) के द्वारा केन्द्रीय लोक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (सीपीपी) के साथ जुड़ा हुआ है, वेबसाई त पता – tenderwizard.com/CIPET

12. सिपेट प्रकाशन :

सिपेट ने छात्रों के लाभ के लिए निम्नलिखित किताबों को प्रकाशित किया। इन किताबों को सिपेट संकाय द्वारा लिखा गया तथा विभिन्न संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा स्वीकार किया जाता है।

- ❖ अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ प्लास्टिक प्रौद्योगिकी (आई.जे.पी.टी) – आईजेपीटी श्रृंखला 18, अगस्त 2014 में प्रकाशित।
- ❖ सिपेट टाइम्स जो सिपेट का घरेलु प्रकाशन है नियमित प्रकाशित हो रहा है।

13. सेमिनार/संगोष्ठी/प्रदर्शनी/सम्मेलन :

पेट्रोकेमिकल्स पर राष्ट्रीय नीति के अनुसार प्लास्टिक के बारे में देशभर में जागरूकता पैदा करने हेतु प्लास्टिक के गुण/प्लास्टिक के रिसाइकिलिंग के गुण, प्लास्टिक की सकारात्मक उपयोगिता के बारे में बताना, अपशिष्ट प्रबंधन, वातावरण के अनुरूप तकनीक प्रदान करना इत्यादि को बढ़ावा देने पर जोर देना। इसके अलावा सिपेट प्रत्येक वर्ष सामग्री के क्षेत्र में प्रगति (एपीएम) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करता है।



- ❖ सिपेट विभिन्न सेमीनार/सम्मेलन/प्रदर्शनियों में भाग/मशीनरी प्रशिक्षण लेने के लिए 200 अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया है जिसमें 04 सिपेट अधिकारी का चायना प्लास्ट 2014 में हुआ है।



- ❖ श्री अपूर्व चंद्र, भा.प्र.से. प्रधान सचिव (उद्योग) महाराष्ट्र सरकार की अध्यक्षता में सिपेट औरंगाबाद के क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 24.09.2014 को संपन्न हुई।

- ❖ सिपेट उच्च शिक्षण केन्द्र, भुवनेश्वर की 21 वीं क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 12.12.2014 को संपन्न हुई।



- ❖ आइप्लेक्स – 2014 का आयोजन टापमा, केपीएमए, केएसपीए के सहयोग से 08 से 11 अगस्त 2014 तक हैदराबाद में हुआ, जिसका उद्घाटन माननीय श्री अनंत कुमार, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा हुआ। लगभग 50,000 से भी अधिक भारत भर से आये हुए आंगतुकों ने इस त्रीदिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। सिपेट की गतिविधियों एवं सरकार की नीतियों का 40 स्कूयर मी. क्षेत्र में सी एंड एफ विभाग के द्वारा कार्यान्वित सरकारी नीतियां, एमओसी एंड एफ का मुख्यतः प्रदर्शन किया गया।



- ❖ बॉयोडेग्रेबल सेमीनार का आयोजन जिला उद्योग केन्द्र व सीएफएससी, चंगेश्वरी के द्वारा केरला के 14 जिलों में जनवरी 2015 से मार्च 2015 तक आयोजित किया गया, इस सेमीनार में प्रत्येक जिले से 70–80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



- ❖ 5 वीं अंतर्राष्ट्रीय विशेष प्रदर्शनी 'रोशप्लास्ट-प्लास्टिक उपकरण एवं आइटम' का आयोजन क्रोकश एक्स्पो आईईसी मोस्को क्षेत्र में 15 से 22 जून 2014 के बीच में नई विकसित औजार बनाने वाली कंपनियों एवं प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनरियों पर केन्द्रित किया गया। भारतीय प्रतिमंडल में श्री प्रणय शर्मा, निदेशक (पीसी), सी और पीसी, भारत सरकार तथा डॉ. सुभाष चंद्र शिट, उप निदेशक (त.से.) सिपेट मुख्यालय से रोशप्लास्ट-2014 की मुलाकात ली। इस प्रदर्शनी में विश्व भर से 50 से

अधिक कंपनियों ने भाग लिया ऐसे राष्ट्र-रूस, चीन, ताइवान, इटली, जापान, जर्मनी, तुर्की, स्वीडन, डेनमार्क आदि ने अपनी उत्पादनों का प्रदर्शन लगाया।

- ❖ लवासा, महाराष्ट्रा में 16 से 17 जनवरी 2015 तक एक कार्यशाला का आयोजन “नेतृत्व और प्रेरणा” विषय पर वरिष्ठ अधिकारीगण प्रशासनिक मंत्रालय एवं मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों के लिए किया गया, इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय श्री हंसराज गंगाराम अहीर, राज्य मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने किया।

❖ इंडिया केम 2014 :

संयुक्त रूप से सी एवं पीसी विभाग, व फिक्की के द्वारा आयोजित मेंगा इवेंट “इंडिया केम” का आयोजन बॉम्बे एकिजवेशन सेंटर, गोरेगांव, मुंबई में दिनांक 9 से 11 अक्टूबर 2014 तक हुआ। सिपेट स्टॉल का उद्घाटन श्री सुरजीत कुमार चौधरी, भा.प्र.से., सचिव (सी एंड पीसी), भारत सरकार द्वारा किया गया। 800 से अधिक दर्शकों ने 3 दिनों में स्टॉल का दौरा किया।



❖ आईएमएस 2014 :

बैगलोर में आईएमएस 2014 दिनांक 10 से 14 सितम्बर 2014 प्रदर्शनी में भाग लिया गया, इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय मंत्री श्री अनंत कुमार, (सी एंड एफ), रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। 1000 से अधिक दर्शकों ने 3 दिनों में स्टॉल का दौरा किया।

❖ पॉलीइंडिया 2015 :

पॉलीइंडिया 2015 – 03री अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी व सम्मेलन प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल का आयोजन अक्टूबर 2015 में किया गया, सिपेट अधिकारियों ने उत्साह के साथ प्रथम संचालन समिति की बैठक में दिनांक 03 फरवरी 2015 एवं द्वितीय बैठक 04 मार्च 2015 में भाग लिया जिसके अध्यक्ष, सचिव रसायन एवं पेट्रोरसायन, भारत सरकार थे।

❖ प्लास्ट इंडिया 2015 :

प्लास्ट इंडिया 2015 विश्व में अपनी तरह का सबसे बड़ा 3 प्रदर्शनी थी एवं भारत में सबसे बड़ी थी, जिसमें 2000 प्रदर्शक और दुनिया भर से 1,50,000 व्यापारिक आयंतुक आये एवं यह प्रदर्शनी कुल 1,25,000 स्कूयर मीटर क्षेत्र में फैली हुई थी। पहली बार राजधानी दिल्ली के बाहर अर्थात् गांधी नगर, अहमदाबाद, गुजरात में इस कायक्रम का आयोजन 05–10 फरवरी 2015 के दरमियान हुआ। सिपेट और डीसीपीसी ने संयुक्त रूप से प्लास्टिक/पॉलीमर उद्योग और कार्यक्रमों/गतिविधियों एवं सिपेट की गतिविधियां व भारत की सरकारी योजनाओं का विशिष्ट प्रचार किया गया।



❖ महानिदेशक सिपेट तथा संयुक्त सचिव, (पीसी), सी एंड पीसी विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने मार्च 2015 को दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया, दौरा के दरमियान 1) डीएसटी/सीएसआईआर नेशनल सेंटर फॉर नैनो स्ट्रक्चर मटेरियल (एनसीएनएसएम) का दौरा किया एवं प्रिटोरियेट में दिनांक 16 और 17 मार्च को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। एनसीएनएसएम/सीएसआईआर के सहयोग से प्रस्तावित क्षेत्र, दक्षिण अफ्रीका, सामग्री एवं उत्पाद विकास में किया जायेगा जैसे कि बॉयोकंपोजाइट, बॉयोपॉलीमर, पॉलीमर नैनो एडिट्यूज व पॉलीमर सेंशर्स। 2) डरबन विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी, डरबन का दौरा 18 मार्च 2015, 3) स्टेलेनबॉस्च विश्वविद्यालय, स्टेलेनबॉस्च का 19 मार्च 2015 को दौरा, 4) नेमपेक पैकेजिंग कंपनी, केप टाउन में 20 मार्च 2015 में दौरा।



❖ टेपीक'14 – राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी :

राष्ट्रीय तकनीकी संगोष्ठी की अपने आप में प्रथम श्रृंखला का आयोजन प्लास्टिक प्रौद्योगिकी एवं उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग, सेन्ट्रल इंस्टियूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी, चेन्नै ने दिनांक 12 सितम्बर 2014 को आयोजन किया, इस संगोष्ठी में 50 से अधिक अभियांत्रिकी कॉलेज, तमिलनाडु के विद्यार्थियों ने भाग लिया।



टेकफेस्ट 2015 और सिपोफेस्ट 2015 :

विशेष रूप से स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए वार्षिक तकनीकी प्रसंग की श्रृंखला 4 का सिपेट में 20 से 21 मार्च 2015 में आयोजन किया गया, वृत्तांत में पोस्टर प्रस्तुति, भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रमों का आयोजन टेक फेस्ट 2015 के दरमियान किया गया। टेकफेस्ट 2015 एवं सिपोफेस्ट 2015 के स्मृति में एक अंतः सांस्कृतिक प्रसंग भी सिपेट चेन्नै में आयोजित किया गया था। जिसमें सिपेट के एचएलसी केन्द्र के छात्र और छात्रों के साथ अन्य कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भी विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।



माऊन्टबेटन एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार

7, "कैलाश", तृतीय तल
9, तिरुवेन्नाण्डम स्ट्रीट
पश्चिम माम्बलम
चेन्नै - 600 033

लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सिपेट सदस्यों के लिए,

हमने सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलोजी, चेन्नै का दिनांक 31.03.2015 तक का वित्तीय स्थिति विवरण पत्रक एवं समाप्त उसी वर्ष का आय-व्यय लेखाओं का परीक्षण किया जो इसके साथ संलग्न है। इन वित्तीय विवरणों का उत्तरदायित्व एवं जिम्मेदारी सोसाइटी के शासी परिषदों की है। हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर मत प्रकट करना ही हमारा उत्तरदायित्व है।

हमने लेखा परीक्षण भारत में सर्वमान्य लेखा मानकों के अनुसार किया है। यह संप्रेक्षण में वित्तीय विवरणों के प्रकटन तथा रकमों के समर्थन में साक्ष्य तथा उनके परीक्षण एवं जाँच शामिल है। उपयोग किये गये लेखा सिद्धांतों का आंकलन एवं प्रबंधन द्वारा तैयार किये गये महत्वपूर्ण प्राक्कलन तथा संपूर्ण वित्तीय विवरणी तथा प्रस्तुत संपूर्ण वित्तीय विवरणी का मूल्यांकन भी शामिल हैं। यह मानक सुनिश्चित करता है हमारे संप्रेक्षण की योजना एवं की गई कार्यान्वयन से वित्तीय विवरणी गलत/मिथ्या तथ्यों से रहित है। हमारा मानना है कि हम अपने लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आदान-प्रदान करता है।

हमारी राय में, समुचित लेखा बहियाँ संस्था के संघ ज्ञापन के नियम व विनियमों के अनुसार हैं जैसा कि हमारी परीक्षण से प्रकट होती हैं। संलग्न लेखा टिप्पणियों के आधार पर हमारी रिपोर्ट है कि :

1. इस रिपोर्ट में उल्लेखित वित्तीय स्थिति विवरण पत्रक और आय-व्यय लेखा विवरणिका लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।
2. लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक सूचना एवं स्पष्टीकरण हमने अपनी ज्ञान के अनुसार प्राप्त किया है।
3. हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम ज्ञान के अंतर्गत, टिप्पणियों के साथ उक्त लेखा बही निम्न प्रकार वास्तविक एवं उचित तथ्य को ही प्रकाशित करती है।

(i) 31.03.2015 को संस्था का वित्तीय स्थिति विवरण पत्रक की स्थिति ।
एवं

(ii) आय-व्यय लेखा के विषय में उक्त दिनांक समाप्त वर्ष की व्यय से अधिक आय के विवरण ।

कृते माऊन्टबेटन एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार

स्थान : चेन्नै

दिनांक : 03.07.2015

(के.विद्यादर्न)
वरिष्ठ भागीदार
सदस्यता सं. 021924
फर्म पंजीकरण सं. 008296एस

सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सिपेट)				
31 मार्च 2015 तक का वित्तीय स्थिति विवरण पत्रक				
(राशि - ₹ में)				
क्र.	विवरण	अनुसूची	31.03.2015 तक	31.03.2014 तक
अ.	<u>पूँजीगत निधि एवं देयताएँ—</u>			
क	पूँजीगत निधि	1	739,44,15,724	636,94,87,674
ख	आरक्षित व अधिशेष	2	2,76,69,091	2,76,69,091
ग	कॉपर्स निधि	3	114,84,77,672	111,95,61,811
घ	प्रतिभूत ऋण एवं उधार राशियाँ	4	30,43,30,278	33,47,63,306
ड.	अस्थगित ऋण देयताएँ	5	—	—
च	चालू देयताएँ एवं व्यवस्थाएँ	6	47,66,12,170	41,66,06,891
	कुल		935,15,04,935	826,80,88,773
ब.	<u>परिसंपत्तियाँ—</u>			
क	<u>स्थाई संपत्तियाँ—</u> सकल खण्ड कटौती : मूल्यहास	7	645,74,22,190 (-)233,98,29,285	567,82,45,021 (-)213,85,21,429
	शुद्ध खण्ड		411,75,92,905	353,97,23,592
ख	कॉपर्स निधि से निवेश	8	106,95,51,165	104,78,12,064
ग	चालू परिसंपत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम	9	353,79,32,627	294,20,62,581
घ	आय से अधिक व्यय	10	62,64,28,238	73,84,90,536
	कुल		935,15,04,935	826,80,88,773
ड.	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	20		
च	आकस्मिक देयताएँ और लेखाओं पर टिप्पणियाँ	21		

सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सिपेर)				
31 मार्च 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय एवं व्यय लेखा				
(राशि - ₹ में)				
क्र.	विवरण	अनुसूची	समाप्त वर्ष के लिए	
			31.03.2015	31.03.2014
क	<u>स्त्रोत-</u>			
क	शैक्षणिक गतिविधियाँ	11	44,65,84,467	37,94,83,525
ख.	तकनीकी कार्यक्रम (प्रायोजित)		55,55,29,107	37,76,98,341
ग	तकनीकी सहायक सेवाएँ (आर. एंड डी. सलाहकारी सेवाएँ भी शामिल)	12	69,14,30,956	61,65,31,525
	कुल गैर योजना के लिए आवर्ती अनुदान	13	169,35,44,530 1,35,00,000	137,37,13,391 2,70,00,000
	कुल योग-(क)		170,70,44,530	140,07,13,391
ख	<u>व्यय-</u>			
क	स्थापना व्यय	14	72,26,31,571	61,93,14,680
ख	प्रशासनिक व्यय	15	11,04,97,613	11,08,13,160
ग	प्रशिक्षण व्यय	16	39,49,81,620	34,48,00,481
घ	ब्याज	17	—	36,55,187
ड.	बिक्री / प्रदत्त सेवाओं में हुए व्यय	18	12,40,70,880	9,77,71,717
च	अन्य	19	1,95,206	25,74,113
छ	मूल्यहास		21,68,29,176	20,53,77,293
	कुल-(ख)		156,92,06,066	138,43,06,631
ज	वर्तमान वर्ष के लिए व्यय से अधिक आय (क-ख)		13,78,38,464	1,64,06,760
झ	कॉपर्स निधि का हस्तांतरण तुलना-पत्र को अग्रेनीत अधिक आय / (व्यय)		5,62,21,806 8,16,16,658	2,85,18,196 (-)1,21,11,436

